●वर्ष : 16 ●अंक : 245 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 28 दिसम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

पूर्व प्रधानमंत्री का अंतिम संस्कार आज

सरकार बोली– स्मारक के लिए तलाश रहे जगह

सभी के लिए प्रेरणा के स्रोत थे मनमोहन सिंह- कल्पना सोरेन

खटट नेता कल्पना सोरेन ने कहा, 'मैं कहना चाहूंगी कि आज देश के हर व्यक्ति के लिए हमारे आदरणीय मनमोहन सिंह जी प्रेरणा के स्रोत थे। उनका जो भी कार्यकाल रहा उन्होंने भारत को एक नई पहचान दी और आज कहीं न कहीं हम अपने प्रियजनों को खो रहे हैं और यह एक अचानक हुई घटना है जैसे हमें पता चला है कि पहले से कोई दिक्कत नहीं थी। ये अचानक घटना घटी है... ये पूरा देश उनका परिवार था और आज मैं उनके परिवार से मिली...पूरे देश ने अपने व्यक्तित्व, एक अनोखा व्यक्तित्व खो दिया है और आज हम सब आए हैं और अपना दुःख व्यक्त कर रहे हैं ताकि उनकी आत्मा को शांति मिले...मैं कहना चाहूंगी कि सिर्फ झारखंड नहीं है एक व्यक्तित्व को देश ने खोया है'।

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह नहीं रहे। 92 साल की उम्र में उनका दिल्ली एम्स में निधन हो गया। उन्हें उम्र संबंधी दिक्कतों की वजह से गुरुवार रात 8:06 बजे एम्स में भर्ती कराया गया था। रात 9:51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मनमोहन सिंह प्रखर अर्थशास्त्री थे। 1991 में देश में शुरू किए गए आर्थिक उदारीकरण के वे शिल्पकार रहे। 2004 से 2014 तक वे प्रधानमंत्री रहे। उनके निधन से देशभर में शोक की लहर है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचे। सीएम सिद्धारमैया दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, 'आदरणीय मनमोहन सिंह जी अब हमारे बीच नहीं रहे। उन्होंने एक लंबी यात्रा की है और उन्होंने इस देश को एक नई दिशा दी। उनके बारे में कुछ भी कहा जाए वो बहुत कम होगा। बहुत ही कम लोग आज के समय में ऐसे मिलते हैं। उनके अनुभव, उनके द्वारा दिखाए गए मार्गदर्शक इस देश के लिए एक मील का पत्थर है। उनके इस अंतिम यात्रा में हम लोग आज शामिल हुए। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें और उनके परिवार के साथ हम सभी हैं..निश्चित रूप से मनमोहन सिंह जी हमेशा याद रहेंगे।'

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने का फैसला किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी है, इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। सूत्रों ने कहा कि स्मारक पर निर्णय कांग्रेस को बता दिया गया है, लेकिन उन्होंने कहा कि स्मारक बनाने के लिए उपयुक्त स्थान खोजने में कुछ दिन लगेंगे।इस मामले पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी नाराजगी प्रकट की है। उन्होंने कहा, मनमोहन सिंह का स्मारक न बनाना भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री का जानबूझकर अपमान है। शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल ने शुक्रवार को दावा किया कि केंद्र ने मनमोहन सिंह के परिवार के उस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है जिसमें उनका अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर करने का अनुरोध किया गया था जहां उचित स्मारक बनाया जा सके।

सीएम सोरेन और कल्पना सोरेन ने पूर्व पीएम को दी श्रद्धांजलि

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी और खटट नेता कल्पना सोरेन के साथ पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के आवास पर अंतिम श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

ज्वलंत मुद्दा सम्पादकीय

एक्सीडेंटल राजनेता, क्रांतिकारी अर्थशास्त्री

साल 1999 के आम चुनावों में दिल्ली की सात में छह सीटों पर तत्कालीन सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को करारी हार मिली थी। दक्षिण दिल्ली की इकलौती ऐसी सीट रही, जहां बीजेपी के विजय कुमार मल्होत्रा को जीत मिली थी। मल्होत्रा के सामने जिन्हें हार मिली थी, वे राजनेता मनमोहन सिंह थे। उन दिनों मैं दैनिक भास्कर के दिल्ली ब्यूरो में काम करता था। अखबारी रिपोर्टिंग की एक रवायत है। वह विजेताओं को ही खोजती है और उनकी ही बात करती है। लेकिन हमारे तत्कालीन ब्यूरो चीफ और दिग्गज पत्रकार शरद द्विवेदी ने मुझे सफदरजंग रोड भेज दिया, जहां मनमोहन सिंह बतौर राज्यसभा सांसद रह रहे थे। शरद द्विवेदी का तर्क था कि मनमोहन सिंह देश की अर्थव्यवस्था को बदलने वाले राजनेता हैं। उनके घर का माहौल देखना चाहिए और उस पर स्टोरी लिखनी चाहिए। मैं जब मनमोहन सिंह के घर पहुंचा तो वहां करीब साठ-सत्तर कार्यकर्ता मौजूद थे। बंगले में एक तरह से उदासी छायी थी। एक ड्रम में रसना घोल रखी गई थी और आने वाले लोगों को पिलाई जा रही थी। वहां कांग्रेस का कोई बड़ा नेता मौजूद नहीं था, सिवा राजस्थान के रामनिवास मिर्धा के। मिर्धा भी चुपचाप एक कोने में खड़े थे। और तो और, वहां पत्रकार भी नहीं थे। मेरे पहुंचने के बाद बंगले में सिर्फ एक और पत्रकार आए। इस बीच साधारण से सफेद कुर्ता-पाजामा और नीली पगड़ी में मनमोहन सिंह मेरी तरफ मुखातिब हुए। उन्हें मैंने बतौर पत्रकार परिचय दिया तो उन्होंने कांपते हाथों से हाथ मिलाया और फिर उसी तरह तकरीबन कांपते हुए रसना का गिलास मुझे थमा दिया। उस वक्त मैंने बचकाना सा सवाल पूछ लिया था, क्या सोच रहे हैं? मनमोहन सिंह को उसके बाद राज्यसभा और दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में खूब देखा। वे कभी पढ़ते हुए दिखते तो कभी चुपचाप बैठे हुए। 2004 में भारतीय जनता पार्टी के इंडिया शाइनिंग अभियान को धत्ता बताते हुए कांग्रेस की अगुआई में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन ने केंद्रीय सत्ता का दावेदार बन गया। तब शायद ही किसी ने सोचा था कि मनमोहन सिंह अगले प्रधानमंत्री बनेंगे। उस वक्त माना यह जा रहा था कि अगर किसी वजह से सोनिया गांधी प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगी तो प्रणब मुखर्जी देश के अगले प्रधानमंत्री हो सकते हैं।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

राष्ट्रपति ने मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी

सीएम एमके स्टालिन ने भी किया नमन

›› उनके जाने से आज देश बहुत दुखी है- अशोक गहलोत

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा, "उनकी बात को हर व्यक्ति सुनता था ऐसा उनका व्यक्तित्व था। वह अर्थशास्त्री थे और बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी थे...उन्होंने सादगी के साथ अपना जीवन जिया। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। उनके जाने से आज देश बहुत दुखी है।

››› 'मनमोहन सिंह का निधन देश के लिए बहुत बड़ी क्षति'

कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने कहा, "पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है... 1991 में जब अर्थव्यवस्था ठप हो गई थी तब उन्होंने जो आर्थिक सुधार किए थे उनका फायदा आज भी भारत को मिल रहा है। ये उनकी खासियत थी।

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह नहीं रहे। 92 साल की उम्र में उनका दिल्ली एम्स में निधन हो गया। उन्हें उम्र संबंधी दिक्कतों की वजह से गुरुवार रात 8:06 बजे एम्स में भर्ती कराया गया था। रात 9:51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मनमोहन सिंह प्रखर अर्थशास्त्री थे। 1991 में देश में शुरू किए गए आर्थिक उदारीकरण के वे शिल्पकार रहे। 2004 से 2014 तक वे प्रधानमंत्री रहे। उनके निधन से देशभर में शोक की लहर है। जानिए ताजा अपडेट्स..

दिल्ली: CPI नेता डी. राजा ने कहा, "मैं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं... वे एक महान राजनेता थे। वे भारत के संविधान, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र की ओर एक प्रतिबद्ध व्यक्ति थे। दिल्ली: कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने कहा, "पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है... 1991 में जब अर्थव्यवस्था ठप हो गई थी तब उन्होंने जो आर्थिक सुधार किए थे उनका फायदा आज भी भारत को मिल रहा है।

››› सुप्रीम कोर्ट के जज ने पूर्व प्रधानमंत्री को दी श्रद्धांजलि

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। पूर्व प्रधानमंत्री का गुरुवार रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे भारत के आर्थिक सुधारों को आकार देने में एक प्रमुख व्यक्ति थे। 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह ने इससे पहले वित्त मंत्री के रूप में देश की आर्थिक नीतियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वित्तीय और आर्थिक मामलों में अपनी विशेषज्ञता के लिए विश्व स्तर पर जाने जाने वाले सिंह अपने पीछे एक स्थायी विरासत छोड़ गए हैं।

›› वे एक महान राजनेता थे- डी. राजा

CPI नेता डी. राजा ने कहा, 'मैं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं... वे एक महान राजनेता थे। वे भारत के संविधान, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र की ओर एक प्रतिबद्ध व्यक्ति थे। उनका स्वभाव अत्यंत विनम्र था।

›› केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने किया नमन

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'डॉ. मनमोहन सिंह भारत के महान अर्थशास्त्री थे। उनके कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय प्रगति हुई। हालांकि वे कांग्रेस पार्टी से थे, लेकिन एक अर्थशास्त्री के रूप में उनका योगदान भारत के लिए बहुत बड़ा था। आरबीआई गवर्नर के रूप में भी उनका काम उल्लेखनीय था... वे कम बोलते थे, लेकिन उनका काम करने का तरीका बहुत प्रभावी था। पूरा देश उनके निधन पर शोक मना रहा है।

अब संभल की शाही जामा मस्जिद पर 24 घंटे रहेगी यूपी पुलिस, उठाया ये बड़ा कदम

संभल। में जामा मस्जिद के पास खाली पड़े मैदान में पुलिस चौकी बनाएगी। प्रस्तावित पुलिस चौकी का निर्माण शुरू होते ही आरएएफ के जवान तैनात होंगे। अपर पुलिस अधीक्षक श्रीश चंद्र ने यह जानकारी दी। हालांकि चौकी का नाम क्या होगा इसे लेकर उन्होंने अभी कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। संभल में सुरक्षा की दृष्टि से नयी पुलिस चौकी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जहां 24 घंटे पुलिस तैनात रहेगी। उल्लेखनीय है कि 24 नवंबर को शाही मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। उम्मीद है कि कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव संभल की जामा मस्जिद के मूल रूप से हरिहर मंदिर होने के दावे से संबंधित सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट संभवतः जनवरी 2025 के पहले सप्ताह में सीलबंद लिफाफे में दाखिल की जाएगी। जिला प्रशासन ने संभल कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत कोट पूर्वी में प्राचीन मृत्यु कूप की खुदाई और जीर्णोद्धार का काम बृहस्पतिवार को शुरू कर दिया। संभल में पुराणों में वर्णित, अति प्राचीन और धार्मिक महत्व के माने जाने वाले कुओं की पहचान कर उनकी खुदाई और जीर्णोद्धार की पहल के तहत यह कार्य किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, वर्षों पूर्व इन कुओं को या तो ऐसे ही छोड़ दिया गया था या इनमें मलबा भरकर इन्हें पाट दिया गया था।

आमरण अनशन कर रहे किसान नेता डल्लेवाल की सेहत पर अदालत सख्त

पंजाब सरकार को सुनाई खरी-खरी

›› 26 नवंबर से अनशन पर हैं किसान नेता

बता दें, डल्लेवाल फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी सहित आंदोलनकारी किसानों की मांगों के समर्थन में केंद्र पर दबाव बनाने के लिए 26 नवंबर से पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी सीमा पर आमरण अनशन पर हैं।

नूना न्यूज एजेंसी।

पंजाब। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई। अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिया कि वह यह सुनिश्चित करे कि किसान नेता को चिकित्सा सहायता दी जाए। बता दें, डल्लेवाल आमरण अनशन पर हैं।

पंजाब सरकार को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट की अवकाश पीठ न्यायाधीश सूर्याकांत और सुधांशु धूलिया ने पंजाब सरकार को एक अवमानना याचिका पर नोटिस जारी किया। इस याचिका में पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के खिलाफ मेडिकल सहायता प्रदान करने के आदेश का पालन न करने पर अवमानना का आरोप लगाया गया था।

इस पर पीठ ने कहा, 'हमें गंभीर संदेह है उन किसानों पर, जो अपनी जान को लेकर जागरूक नहीं हैं।' इस पर सिंह ने कहा कि राज्य सरकार इस मामले में बहुत गंभीरता से काम कर रही है। जब अदालत ने यह सवाल किया कि क्या केंद्र राज्य सरकार की मदद कर सकता है, तो सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र का हस्तक्षेप स्थिति को जटिल बना सकता है। उन्होंने कहा, 'कुछ लोग डल्लेवाल को बंधक नहीं बना सकते। एक व्यक्ति की जान खतरे में है। राज्य सरकार कदम उठा सकती है। पंजाब एजी ने पीठ को बताया कि जब मंत्रियों का प्रतिनिधिमंडल डल्लेवाल से मिलने गया था, तो उन्होंने प्रधानमंत्री को संबोधित एक पत्र दिया। सिंह ने कहा, 'उन्होंने कहा है कि यदि बातचीत होती है, तभी वे चिकित्सा सहायता स्वीकार करने के लिए तैयार हैं।

इस दिन होगी अब सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को 28 दिसंबर तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया। इसके साथ ही, पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी को सुनवाई के दौरान वर्चुअली उपस्थित रहने का आदेश दिया।

सरकार के वकील की दलील

सुनवाई के दौरान पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने बताया कि पंजाब के आठ कैबिनेट मंत्रियों और डीजीपी के एक प्रतिनिधिमंडल ने 24 दिसंबर को प्रदर्शन स्थल पर जाकर डल्लेवाल से अस्पताल चलने के लिए कहा था, लेकिन किसानों ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा, 'हमने मौके पर सारी सुविधाएं दी हुई हैं। अगर कुछ दिक्कत होती है तो हम खतरा नहीं उठा सकते।

किसी की जान दांव पर: अदालत

पीठ ने कहा, 'अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति है, तो आपको इसे सख्ती से संभालना होगा। किसी की जान दांव पर है। इसे गंभीरता से लें। चिकित्सा सहायता दी जानी चाहिए और ऐसा प्रतीत होता है कि आप इसका पालन नहीं कर रहे हैं।

संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा बिंदुओं पर डेरा डाले हुए हैं। 13 फरवरी को सुरक्षा बलों ने उन्हें दिल्ली की ओर बढ़ने से रोक लिया था। याचिका में आरोप है कि किसानों और उनके संगठनों ने बेमियादी अवधि के लिए पंजाब में समस्त राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। याचिकाकर्ता ने यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि आंदोलनकारी किसान राष्ट्रीय राजमार्गों और रेलवे पटरियों को अवरुद्ध नहीं करें। हालांकि, अदालत ने पंजाब में उन राजमार्गों पर अवरोधकों को हटाने के लिए केंद्र व अन्य को निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी थी, जहां किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

पंजाब में हादसा: प्राइवेट कंपनी की बस नाले में गिरी

आठ की मौत, 35 लोग घायल

नूना न्यूज एजेंसी।

पंजाब। के बठिंडा में शुक्रवार को बड़ा हादसा हुआ है। बठिंडा तलवंडी साबो रोड पर गांव जीवन सिंह वाला के पास निजी बस हादसे का शिकार हो गई। बस अनयंत्रित होकर नाले में गिर गई। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हुई है। वहीं, करीब 35 लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद यहां चीख पुकार मच गई। घायलों को तलवंडी साबो के अस्पताल में पहुंचाया गया है। वहीं कुछ घायलों का इलाज सिविल अस्पताल बठिंडा में चल रहा है। शुक्रवार दोपहर सरदूलगढ़ से लोकल सवारियों को लेकर 52 सीटर निजी बस सरदूलगढ़ से बठिंडा के लिए रवाना हुई थी। बस तलवंडी साबो से सवारी लेकर जैसे ही गांव जीवन सिंह वाला से कुछ दूरी पर भांगीबांदर के पास से गुजरने वाले गंदे नाले के पास पहुंची तो यहां सुबह से हो रही बारिश के कारण सड़क पर भरी गाद की वजह से फिसलन होने से नाले में जा गिरी। सड़क पर फिसलन होने के कारण चालक बस को कंट्रोल नहीं कर सका व बस नाले में गिर गई। इसके चलते बस में सवार 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य करीब 35 सवारियां गंभीर घायल हुई हैं।

एनडीआरएफ की टीम ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

चीखे सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान जिला पुलिस प्रशासन के साथ सामाजिक संस्थाओं को सूचित कर घायलों को बस से बाहर निकालने का काम शुरू किया। इस दौरान आठ मृतकों को बाहर निकालने के साथ करीब 35 अन्य घायल सवारियों को बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल नजदीकी सरकारी अस्पतालों में पहुंचाकर उपचार शुरू करवाया गया है। पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे व उन्होंने राहत कार्यों का जायजा लेने के साथ दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही जहां सबसे पहले आसपास के लोग मदद करने के लिए पहुंचे। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। डिप्टी कमिश्नर बठिंडा शौकत अहमद परे, एसएस पी बठिंडा अमनीत कौंडल समेत पूरा प्रशासनिक अमला घटनास्थल पर पहुंचा और उनकी देखरेख में राहत और बचाव कार्य चलाया गया। जहां कुछ घायलों को तलवंडी साबो के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया तो वहीं गंभीर रूप से घायलों को बठिंडा भेज दिया गया। इस हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर है। वहीं डिप्टी कमिश्नर बठिंडा ने इस हादसे पर दुख जताया और हादसे में जान गवाने वालों के परिजनों के प्रति अपनी सांत्वना व्यक्त की और हर संभव मदद का भरोसा दिया।

मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका

सूत्रों ने बताया कि उक्त बस हादसे में फिलहाल आठ लोगों की मौत हुई है, लेकिन उक्त हादसे में मृतकों की संख्या आठ से ज्यादा होने की संभावना बताई जा रही है। लेकिन अभी तक जिला प्रशासन द्वारा मृतकों संबंधी किसी तरह की कोई पुष्टि नहीं की गई।

क्या कोई दलित हो सकता है बीजेपी का नया अध्यक्ष?

एक तीर से साधे जा सकते हैं कई निशाने

दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने चल रहे आंतरिक संगठन चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर अध्यक्ष के लिए चुनाव होगा। माना जा रहा है कि अगले साल फरवरी के अंत तक एक नए पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति हो सकती है। फिलहाल बूथ, जिला और मंडल अध्यक्षों का चुनाव राज्य इकाइयों द्वारा किया जा रहा है। इसके बाद केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नये प्रदेश अध्यक्षों का चयन किये जाने की उम्मीद है। 15 जनवरी तक कम से कम आधे राज्यों में नए प्रमुख मिलने की संभावना है। इसके बाद, भाजपा जगत प्रकाश नड्डा की जगह नया अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया शुरू करेगी। नए अध्यक्ष को लेकर अटकलों का दौर जारी है। बताया जा रहा है कि जो नया अध्यक्ष बनेगा उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छाप और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का समर्थन होगा। हालाँकि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की बढ़ती भागीदारी के साथ, जैसा कि हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में देखा गया था, आरएसएस का समर्थन और एक मजबूत संगठनात्मक पृष्ठभूमि भी आवश्यक है। सूत्रों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि चयन को लेकर मोदी-शाह और आरएसएस के बीच तालमेल बनाए रखने के अलावा, बीजेपी नेतृत्व नए बीजेपी प्रमुख को चुनते समय जाति कारक पर भी विचार करेगा। सूत्रों के अनुसार, यह देखते हुए कि नड्डा एक ब्राह्मण हैं और मोदी अन्य पिछड़ा समुदाय (ओबीसी) से हैं, और बी आर अंबेडकर की वर्तमान प्रमुखता को देखते हुए, भाजपा एक दलित प्रतिनिधि को चुन सकती है। एक दलित मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में, कांग्रेस तर्क तैयार कर रही है कि भाजपा दलितों के खिलाफ है। ऐसे में भाजपा का ये कदम उसके लिए प्रभावी साबित हो सकता है। अंबेडकर पर शाह की टिप्पणी को लेकर संसद में हुए विवाद के बाद बीजेपी के लिए विपक्ष को शांत करने के लिए एक दलित नेता की नियुक्ति सबसे कारगर तरीका हो सकता है।

कांग्रेस कार्य समिति द्वारा डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव

दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति, देश के एक सच्चे राजनेता डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करती है, जिनके जीवन और कार्यों ने भारत के भविष्य को दिशा दिखायी। डॉ. सिंह , भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में एक विशाल व्यक्तित्व थे, जिनके योगदान ने देश को रूपांतरित किया और उन्हें विश्वभर में सम्मान प्राप्त हुआ। 1990 के दशक के प्रारंभ में वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह भारत के आर्थिक उदारीकरण के शिल्पकार थे। अपनी अद्वितीय दूरदृष्टि के साथ, उन्होंने ऐसे सुधारों की शुरूआत की जिन्होंने न केवल देश को भुगतान संकट से उबारा, बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए द्वार खोले। उनके द्वारा किए गए विनियमन, निजीकरण और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने वाले

नीतिगत कदमों ने भारत के तेजी से विकास की नींव रखी। उनके नेतृत्व में, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया, जो उनकी प्रतिभा और दृष्टिकोण का प्रमाण है। भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह ने देश का नेतृत्व शांति, दृढ़ संकल्प और असाधारण बुद्धिमत्ता के साथ किया। उनका कार्यकाल निरंतर आर्थिक वृद्धि, वैश्विक पहचान और सामाजिक प्रगति से चिह्नित था। उन्होंने 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान भारत को इस संकट से बचाने के लिए रणनीतिक उपाय किए। उनके नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण पहलें हुईं जैसे MGNREGA, Right to Education, ऐतिहासिक Indo-U.S. Civil Nuclear Deal, National Food Security Act, Land Acquisition Act, Agricultural Debt Waiver and Debt Relief Scheme, और 93वीं संविधान संशोधन, जिसने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और ओबीसी के लिए आर्टिकल 15(5) के माध्यम से सामाजिक न्याय को बढ़ावा दिया। उन्होंने Right to Information (RTI) अधिनियम को पारदर्शिता बढ़ाने, Forest Rights Act को जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने और अपने कार्यकाल में उच्चतम GDP वृद्धि दर को प्राप्त करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. सिंह की समावेशी विकास, अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और आर्थिक आधुनिकीकरण के प्रति प्रतिबद्धता ने भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत किया, जबकि साथ ही साथ सामान्य नागरिकों की भलाई पर भी ध्यान केंद्रित किया। उनका दृष्टिकोण और कार्यकाल एक ऐसे सहानुभूतिशील, सुधारक नेता के रूप में इतिहास में अंकित रहेगा, जिन्होंने स्थिरता और विकास को प्राथमिकता दी।

इसरो के अध्यक्ष डा एस . सोमनाथ वैदिक तथा आधुनिक विज्ञान से जुड़े ग्रन्थ ' महासलिलमम का विमोचन करेंगे - कुलपति प्रो वरखेडी

दिल्ली , प्रो अजय कुमार मिश्रा
प्रभारी मीडिया प्रकोष्ठ, आईकेएस प्रकोष्ठ व पीआरओ सीएसयू,

दिल्ली। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय , दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेडी ने कहा है कि 'महासलिलम्' वैदिक तथा आधुनिक विज्ञान के अध्ययन अध्यापन का ज्ञान स्रोत है । प्रो वरखेडी ने सूचित करते कहा ह कि कल इस दुर्लभ पुस्तक का विमोचन भारतीय ज्ञान प्रणाली के क्षेत्र में एक महान विद्वतापूर्ण क्षण होगा क्योंकि इस विशिष्ट आलोचनात्मक संस्करण का बेंगलुरु में एक समारोह में विमोचित होगा जिसका लोकार्पण इसरो के अध्यक्ष डा एस . सोमनाथ वैदिक तथा आधुनिक विज्ञान से जुड़े ग्रन्थ ' महासलिलमम् का विमोचन करेंगे । इस भव्य समारोह में डॉ एस सोमनाथ, सचिव, अंतरिक्ष एवं अध्यक्ष, इसरो, भारत सरकार और प्रो . श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति क्रमशः मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। जैन (मानित) विश्वविद्यालय के संस्थापक चांसलर इस भव्य समारोह की अध्यक्षता करेंगे। कुलपति प्रो वरखेडी ने आगे यह भी कहा है कि एसटेरल (सूक्ष्म) विज्ञान पर आधारित यह ऐतिहासिक पुस्तक न केवल वैदिक ऋषियों की स्वर्णिम एवं वैज्ञानिक चिंतन प्रक्रिया पर आधृत है ,बल्कि वर्तमान आधुनिक विज्ञान को भी अपने ज्ञान शिक्षण से जोड़ती है। लेकिन दुर्भाग्यवश, औपनिवेशिक मानसिकता के कारण इस प्रकार की उदात्त और वैश्विक ज्ञान राशि को हाशिए पर धकेल कल ओझल कर दिया गया। प्रोफेसर श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा है प्रोफेसर आर. एन. अयंगर इस पाण्डुलिपि के संपादक तथा अनुवाद भूकंप इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए प्रसिद्ध हैं, जिन्हें संस्कृत भाषा तथा इसकी ज्ञान परम्परा परंपरा का भी जानकारी है जिन्होंने भारतीय और विदेशी विभिन्न पांडुलिपियों के आधार पर अपना यह आलोचनात्मक संस्करण तैयार किया है जिसका प्रकाशन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली की अमृत महोत्सव ग्रन्थ माला योजना के अन्तर्गत किया गया है। संस्कृत की गद्य शैली में लिखी गई इस पुस्तक -"महासलिलम " -जिसमें 'सलिल' शब्द "डार्क-मैटर" (वैज्ञानिक शब्द)की मौलिक अवस्था का नाम है जो 'अंधम-तम' के रूप में दशार्या गया है और जिसमें अंततः सभी खगोलीय पिंडों के साथ सभी चीजें इसमें विलीन जाती हैं।

मस्जिदों, पूजास्थल और वक्फ की सुरक्षा के लिए हर प्रकार से संघर्ष करने की घोषणा

- जमीअत उलमा-ए-हिंद कार्यकारिणी समिति का महत्वपूर्ण फैसला, नए सदस्यता अभियान की घोषणा, एक लाख स्थानीय इकाइयां बनाने का लक्ष्य
- मुस्लिम अपने चाल-चरित्र द्वारा अपनों के दरमियान एकता और देश वासियों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने का प्रयास करे : अध्यक्ष, जमीअत उलमा-ए-हिंद

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। जमीअत उलमा-ए-हिंद कार्यकारिणी समिति की एक महत्वपूर्ण सभा नई दिल्ली में आईटीओ स्थित जमीअत मुख्यालय के मदनी हॉल में जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें देश की वर्तमान सांप्रदायिक स्थिति संभल सहित देश के विभिन्न हिस्सों में मस्जिदों और दरगाहों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाईयों और पूजास्थल अधिनियम और वक्फ संशोधन विधेयक जैसे ज्वलंत मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इसके साथ ही नए कार्यकाल के लिए जमीअत उलमा-ए-हिंद के नए सदस्य बनाने की भी घोषणा की गई। सभा में दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी समेत देशभर से जमीअत उलमा-ए-हिंद कार्यकारिणी समिति के सदस्यों और विशेष आमंत्रित लोगों ने भाग लिया और देश में अलग-अलग क्षेत्रों में होने वाली घटनाओं और समस्याओं पर प्रकाश डाला और रिपोर्ट प्रस्तुत की।

तफहीमुल कुरआन (हिन्दी) ऐप का विमोचन

नई दिल्ली, 27 दिसंबरः आज यहाँ जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द के मुख्यालय में मौलाना सैयद अबुल आला मौदूदी के प्रसिद्ध तफसीर (व्याख्या) तफहीमुल कुरआन (हिन्दी) ऐप का विमोचन समारोह जमाअत के अमीर सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द से जुड़ी संस्था 'इस्लामी साहित्य ट्रस्ट' ने इस ऐप को विकसित किया है। जमाअत के अमीर सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने ट्रस्टियों और ऐप डेवलपर यूसुफ अमीन को बधाई देते हुए कहा कि मौलाना मौदूदी ने तफसीर लिखने में बहुत मेहनत की है। तफहीमुल कुरआन की तैयारी के संदर्भ में मौलाना मौदूदी ने जर्मन भाषा सीखी, हिंदू धर्म और ईसाई धर्म की बुनियादी पुस्तकों का अध्ययन किया, अन्य विचारों और सिद्धांतों का गंभीर मूल्यांकन करने के पश्चात तफसीर (व्याख्या) तैयार किया। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण कार्य है जिसे इस्लामी साहित्य ट्रस्ट द्वारा किया गया। अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसे जितना संभव हो उतना लोकप्रिय बनाने का प्रयास करें, ताकि यह न केवल मुसलमानों तक पहुंच सके, बल्कि हिंदी जानने वाले हर व्यक्ति तक इसकी पहुंच हो सके। ट्रस्ट के सचिव श्री वारिस हुसैन द्वारा परिचयात्मक उद्बोधन के उपरांत जमाअत के अमीर एवं अन्य पदाधिकारियों ने ऐप का पोस्टर जारी किया। फिर अमीर जमाअत ने इसके लिंक पर क्लिक करके ऐप लॉन्च किया। ऐप डेवेलपर युसूफ अमीन ने इसके सभी फीचर्स से परिचय कराया। इस ऐप में पवित्र कुरआन का संपूर्ण पाठ, उसका हिंदी अनुवाद और तफहीमुल कुरआन का अनुवाद शामिल है। अनुवाद और व्याख्या दोनों पढ़े जा सकते हैं, लेकिन सुनने का विकल्प केवल अनुवाद के लिए है।

भारत ने दुनिया भर में तटीय समुदायों की सुरक्षा के लिए वैश्विक सहयोग को अग्रसर किया : डा. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली दिसम्बर : केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आईएनसीओआईएस (भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र) में 2004 के हिंद महासागर सुनामी की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह में कहा कि भारत आज आपदा चेतावनी देने में एक वैश्विक नेता के रूप में उभरा है तथा वह विश्व भर के अन्य देशों को भी इसकी जानकारी साझा कर रहा है। डा. जितेंद्र सिंह ने स्मरण किया कि आईएनसीओआईएस की संकल्पना वर्ष 2004 की दुखद सुनामी के बाद की गई थी और वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्राप्त असीम समर्थन और प्राथमिकता के साथ इसने तीव्र गति से प्रगति की और इसे अपनी तरह का विश्व का सबसे अत्याधुनिक संस्थान माना जाने लगा है। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी की अग्रणी समुद्री पहलों की सराहना की, जिनमें 'डीप सी मिशन' भी शामिल है, जिसकी घोषणा उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में की थी। उन्होंने समुद्री अनुसंधान और आपदा तैयारी में भारत की तीव्र प्रगति पर भी प्रकाश डाला। मंत्री ने विश्व स्तरीय आपदा चेतावनी प्रणालियां उपलब्ध कराने में देश के वैश्विक नेता के रूप में उभरने पर जोर दिया तथा सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में वैज्ञानिक प्रगति की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

दिल्ली चुनाव से पहले आप और कांग्रेस के बीच बढ़ी टकराव की स्थिति

नई दिल्ली दिसम्बर : दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच बयानबाजी का विवाद गहरा गया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और सांसद संजय सिंह ने वीरवार को कांग्रेस नेता अजय माकन के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया दी। आतिशी ने कहा कि अजय माकन हमारे नेता अरविंद केजरीवाल को एंटी-नैशनल कहते हैं। क्या उन्होंने भाजपा के किसी नेता के खिलाफ ऐसा आरोप लगाया? उन्होंने कांग्रेस से मांग की कि वह माकन के खिलाफ 24 घंटे के भीतर कार्रवाई करे, नहीं तो आम आदमी पार्टी अन्य विपक्षी दलों से बात करके इण्डिया गठबंधन से कांग्रेस को बाहर करने की कोशिश करेगी। संजय सिंह ने कहा, कांग्रेस पार्टी दिल्ली में भाजपा के पक्ष में खड़ी हो गई है। कांग्रेस हर कदम पर भाजपा को फायदा पहुंचा रही है। अजय माकन भाजपा की स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं और उनके इशारे पर आप के नेताओं को निशाना बना रहे हैं। उधर, अजय माकन ने 25 दिसंबर को केजरीवाल को फजीर्वाल बताते हुए उन्हें देश का सबसे बड़ा धोखेबाज (फ्रॉड किंग) कहा। माकन ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव में आप के साथ गठबंधन करना कांग्रेस की बड़ी भूल थी, जिसे अब सुधारने की जरूरत है। माकन के अनुसार, केजरीवाल अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं और उन्होंने भाजपा के साथ कई मुद्दों पर खड़ा होने का काम किया है। माकन ने यह भी स्पष्ट किया कि यह उनकी निजी राय थी। यह विवाद आगामी विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक तापमान को और भी गरम कर सकता है।

नैशनल ई-गवर्नेंस डिवीजन और इंडियन पोर्ट्स एसोसिएशन के बीच ऐतिहासिक समझौता

डिजीटल बदलाव के लिए समुद्री क्षेत्र में नई पहल

नई दिल्ली दिसम्बर : नैशनल ई-गवर्नेंस डिवीजन और इंडियन पोर्ट्स एसोसिएशन (आईपीए) ने 24 दिसंबर को नई दिल्ली में एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता डिवीजन के अध्यक्ष और सीईओ, नंद कुमारम, आईएएस, और आईपीए के प्रबंध निदेशक, विकास नरवाल, आईएएस, द्वारा औपचारिक रूप से किया गया। इस अवसर पर आईपीए के कार्यकारी निदेशक (आईटी), डॉ. अरविंद भिसीकर, और डिवीजन के मुख्य परिचालन अधिकारी, रजनीश कुमार, सहित दोनों संस्थाओं की टीमें मौजूद थीं। यह रणनीतिक साझेदारी भारत के समुद्री क्षेत्र में डिजीटल परिवर्तन लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस समझौते के तहतडिवीजन की तकनीकी विशेषज्ञता और आईपीए के समुद्री क्षेत्र और लॉजिस्टिक्स उद्योगों के गहन अनुभव को जोड़ा जाएगा। प्रमुख क्षेत्रों में उन्नत सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम एकीकरण, क्षमता निर्माण, और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य एक स्मार्ट और तकनीकी-आधारित समुद्री डिजीटल इकोसिस्टम तैयार करना है। यह सहयोग देश के बंदरगाहों को रियल-टाइम डेटा और एनालिटिक्स का उपयोग करके जोड़ने, संचालन को अनुकूलित करने, टर्नअराऊंड समय को कम करने, और आपूर्ति श्रृंखला को अधिक कुशल बनाने की दिशा में कार्य करेगा। यह समझौता भारत की समुद्री क्षमताओं को सुदृढ़ करने और वैश्विक डिजिटल पोर्ट ऑप्रेशन्स में नेतृत्व स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कोहरे में आपस में टकराई पांच कारे, जान-माल का हुआ बचाव

यमुनानगर दिसंबर : सुबह के समय अचानक कोहरा छा गया, जिससे वाहन चालकों को गाडियों की लाईटें जलाक चलना पडा। हालांकि करीब दस बजे कोहरा हट गया, लेकिन कोहरे के कारण ठंड बढ गई।

ठंड के मौसम में बढ़ती धुंध के चलते सहारनपुर-अंबाला हाईवे पर गांव करहेड़ा खुर्द के पास एक बड़े ट्राले के पीछे चल रही लगभग पांच कारें एक के बाद एक आपस में बुरी तरह से भिड़ गई। गनीमत यह रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। गुरुवार सुबह करहेड़ा खुर्द निवासी पप्पी ने बताया कि आज सुबह लगभग साढ़े छह बजे के करीब अधिक धुंध होने के चलते सहारनपुर- अम्बाला हाईवे पर गांव हरहेडा के नजदीक एक बड़ा सडक हादसा हो गया। जिसमें एक ट्राले के पीछे चल रही एक कार ट्राले के नीचे घुस गई और उसके पीछे चल रही लगभग चार और कारें एक के बाद एक से जा टकराई। जिसमें गाडि?ों का तो काफी नुकसान हो गया लेकिन गनीमत यह रही की किसी को भी कोई गंभीर चोटें नहीं आई।

सदर थाना यमुनानगर के जांच अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि आज सुबह लगभग 6:30 बजे के करीब अधिक धुंध होने के कारण सहारनपुर- अंबाला हाईवे पर गांव करहेड़ा खुर्द के नजदीक एक बड़ा ट्राला जा रहा था उसके अचानक ब्रेक लगने से पीछे चल रही

कोहरे के कारण एक दूसरे से टकराने के बाद क्षतिग्रस्त गाडियां।

लगभग पांच कारें एक दूसरे से टकराती चली गई। गनीमत यह रही की कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। हालांकि गाडि?ों का भारी नुकसान हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सामाजिक बदलाव की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन का आह्वान

नई दिल्ली दिसम्बर : बीएन ग्रुप के प्रमुख ब्रांड सिम्पली फ्रैश ने अपना नया कैम्पेन, रखो इरादे फ्रैश लॉन्च किया है। जोकि लोगों के दिलों के तार जोड़ता है और वास्तविक जीवन के उन असली नायकों की बात करता है जिन्होंने अपनी अलग सोच और प्रभावी तरीकों का परिचय दिया है। इस कैम्पेन का प्रेरणादायक टीवी विज्ञापन ग्रामीण भारत में संवहनीय खेती के लिए अपना बेहतरीन कॅरियर छोड़ देने वाली एक आईटी प्रोफैशनल नीरजा कुद्रीमोती और पांच-सितारा शेफ से सोशल वर्कर बनकर गरीबों के नाम अपना जीवन समर्पित करने वाले नारायणन कृष्णन जैसे लोगों को एक सम्मान है। बदलाव और निस्वार्थ भावना का उनका असाधारण सफर बेहतर भारत के लिए नए-नए विचारों और साहसी विकल्पों को बढ़ावा देने के सिम्पली फ्रैश के मिशन से मेल खाता है। इस कैम्पेन के बारे में किरण गिराडकर, सीएमओ, बीएन ग्रुप, का कहना है, रखो इरादे फ्रैश कैम्पेन में उस नई सोच और नए तरीकों की ताकत के बारे में बात की गई है जोकि सही मायने में विकास लेकर आते हैं। नीरजा और नारायणन की कहानियां हमें पुरानी धारणाओं को चुनौती देने और एक सार्थक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करती हैं।

अखिल भारत एकीकृत किसान सभा का गठन

नयी दिल्ली, 27 दिसंबर 2024 (एजेंसी)। देश में किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिए अखिल भारत एकीकृत किसान सभा का गठन किया गया है। यह जानकारी कामरेड विमल त्रिवेदी ने कल यहां जारी एक विज्ञप्ति में दी। उन्होंने बताया कि गत 19-20 दिसम्बर को चार किसान संगठनों - अखिल भारत प्रगतिशील किसान सभा, सदौ असम खेतियोक संस्था, त्रिपुरा कृषक मुक्ति परिषद और अखिल भारत

क्रान्तिकारी किसान सभा को एकत्रित कर यह संगठन बनाया गया है। कामरेड त्रिवेदी ने बताया कि इस बैठक में तेलंगाना, आन्ध्रा प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल , असम, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। एल.एस.

लगातार बारिश के कारण दिल्ली में जलभराव, यातायात जाम

दिल्ली। में शुक्रवार सुबह से लगातार बारिश हो रही है, जिससे शहर के कई हिस्सों में गंभीर जलभराव और यातायात जाम हो गया है। शहर के बुराड़ी क्षेत्र से प्राप्त दृश्यों से पता चलता है कि भारी जलभराव के कारण क्षेत्र में यातायात जाम हो गया है, क्योंकि दिल्ली के कुछ हिस्सों में बारिश जारी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शहर में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस जबकि अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आज "बारिश के साथ आंधी" की भविष्यवाणी की है। इससे पहले आज स्थानीय निवासी दीपक पांडे ने कहा, "मौसम अच्छा हो गया है और कश्मीर जैसा महसूस हो रहा है। मौसम इतना सुहाना हो गया है कि इसमें यात्रा की जा सकती है। मौसम ठंडा है, लेकिन बारिश से प्रदूषण का स्तर कम हो गया है। स्थानीय निवासी दीपक पांडे ने कहा, "मौसम अच्छा हो गया है और कश्मीर जैसा अहसास हो रहा है। मौसम इतना सुहाना हो गया है कि इसमें यात्रा की जा सकती है। मौसम ठंडा है, लेकिन बारिश के कारण प्रदूषण का स्तर कम हो गया है।" इस बीच, शहर में वायु गुणवत्ता सूचकांक में मामूली सुधार हुआ, हालांकि यह 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार दोपहर 2 बजे तक एक्यूआई 355 मापा गया। दोपहर 2 बजे तक आनंद विहार में एक्यूआई 390, आईजीआई एयरपोर्ट (टी3) में 314, आया नगर में 329, लोधी रोड में 327, आईटीओ में 360, चांदनी चौक में 300 और पंजाबी बाग में 361 रहा। तुलना के लिए, सुबह 7 बजे तक आनंद विहार में मापा गया एक्यूआई 398 था, आईजीआई एयरपोर्ट (टी 3) 340 था, आया नगर 360 था, लोधी रोड 345 था, आईटीओ 380 था, चांदनी चौक 315 था और पंजाबी बाग 386 था।

विकास के साथ भारतीय सैमीकंडक्टर की नई उपलब्धि

नई दिल्ली दिसम्बर : फैबलेस सैमीकंडक्टर डिजाइन स्टार्टअप माइंडग्रोव टैक्नोलॉजी ने सीरीज ए फंडिंग राऊंड में $8 मिलियन जुटाए हैं। इस राऊंड का सह-नेतृत्व रॉकेटशिप.वीसी और स्पेशल इन्व्हेस्ट ने किया, जिसमें मेला वेंचर्स, पीक फिफ्टीन पार्टनर्स, और नए निवेशक अंशुल गोयल ने भाग लिया। कंपनी इस फंडिंग का उपयोग अपने कार्यबल के विस्तार, इन-हाउस इंजीनियरिंग क्षमताओं को मजबूत करने, और अपनी पहली सिक्योर आयओटी चिप के उत्पादन व बिक्री को गति देने के लिए करेगी। मई में पेश की गई यह चिप, भारत की पहली 28 एनएम माइक्रोकंट्रोलर एसओसी है, जो स्मार्ट कनेक्टेड डिवाइस और पावर उपकरणों के लिए डिजाइन की गई है। कंपनी को व्हिजन एसओसी नामक एक नई चिप विकसित करने के लिए भारत सरकार की डीएलआई योजना के तहत 15 करोड़ का अनुदान भी मिला है। यह चिप उच्च प्रदर्शन एज कंप्यूटिंग और विजन प्रोसैसिंग अनुप्रयोगों के लिए उपयोगी होगी।

दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा ने केजरीवाल के आवास के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया

नई दिल्ली दिसम्बर : दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा द्वारा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर दिल्ली की महिलाओं को छलने और महिला सम्मान के नाम पर झूठी तसल्ली देने को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। महिला मोर्चा अध्यक्ष ऋचा पांडेय मिश्रा के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन में प्रदेश उपाध्यक्ष योगिता सिंह, मोर्चा की प्रभारी श्याम बाला, प्रदेश प्रवक्ता एवं निगम पार्षद श्रीमति शिखा राय, मोर्चा महामंत्री प्रियल भारद्वाज, प्रदेश उपाध्यक्ष शिखा माथुर, संगीता चौधरी, रेखा सिंह सहित अन्य महिला मोर्चा की पदाधिकारी उपस्थित थी। पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को पार कर रही महिलाओं में ऋचा पांडेय मिश्रा, श्याम बाला प्रियल भारद्वाज सहित महिला मोर्चा की अन्य कार्यकताओं को पुलिस ने डिटेन कर मंदिर मार्ग थाने ले गई जहां उन्हें चेतावनी के बाद छोड़ दिया गया।

विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि ऋचा पांडेय मिश्रा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली की महिलाओं के साथ धोखा किया है और फर्जी स्किम लॉच कि है। जगह जगह कैंप लगाकर महिलाओं के आधार कार्ड, वोटर कार्ड और मोबाइल नंबर लेकर एक बड़े फजीर्वाड़े की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की महिलाएं इस तरह की फजीर्वाड़े को बर्दास्त नहीं करेगी। पंजाब में 1000 रुपये का स्किम ऐलान करने के बाद आज तक उसे पूरा नहीं किया तो दिल्ली मे वह 2100 रुपये कैसे देंगे। यह सिर्फ चुनावी जुमला है और हर वायदों की तरह यह भी एक छलावा है।

कांग्रेस ने अपने सभी कार्यक्रम सात दिन के लिए रद्द किए

दिल्ली। कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सम्मान में अपने सभी आधिकारिक कार्यक्रमों को सात दिन के लिए रद्द कर दिया है। मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 92 साल के थे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के सम्मान में, स्थापना दिवस समारोह सहित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सभी आधिकारिक कार्यक्रम अगले सात दिन के लिए रद्द कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें सभी आंदोलनात्मक और संपर्क कार्यक्रम शामिल हैं। वेणुगोपाल ने बताया, पार्टी के कार्यक्रम 3 जनवरी, 2025 को फिर से शुरू होंगे। शोक की इस अवधि के दौरान पार्टी का झंडा आधा झुका रहेगा।

समाचार

श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज में छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरित किए गए

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को नगर के प्रगतिशील विद्यालय श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज में विद्यालय के निर्धन छात्र कोष से छात्र-छात्राओं के लिए सर्दी के मौसम से बचने हेतु स्वेटर का वितरण किया गया, इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भारतीय स्टेट बैंक शाखा हसनपुर के प्रबंधक विनीत कुमार ने प्रधानाचार्य परम सिंह के आग्रह पर छात्र-छात्राओं को अपने कर कमलो द्वारा स्वेटर वितरित कि,ए इस मौके पर शाखा प्रबंधक विनीत कुमार ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी छात्र-छात्राएं खूब मन लगाकर पड़े और अपने उज्जवल भविष्य पर फोकस रखें तथा लगातार अध्ययन करें और अपना तथा परिवार का एवं अपने विद्यालय का नाम, यश समाज में फैलाएं, इस मौके पर कक्षा 6 से 12 तक के लगभग 92 छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरित किए गए, प्रधानाचार्य परम सिंह ने बताया कि शेष छात्र-छात्राओं को आज शनिवार को स्वेटर वितरित कर दिए जाएंगे, इस मौके पर प्रधानाचार्य परम सिंह ने शाखा प्रबंधक विनीत कुमार का आभार प्रकट किया, इस मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

बच्चों से भरा टुकटुक पलटा, बाल बाल बच्चे स्कूली बच्चे

लोकतंत्र की शान
संवाददाता मंजीत शर्मा पीलीभीत

पीलीभीत। टुकटुक चालक की लापरवाही से टुकटुक पलटा। जनपद पीलीभीत के थाना क्षेत्र बीसलपुर में एक दर्दनाक हादसा होते-होते बाल-बाल बचा। शाहजहांपुर रोड पर अहिरपुर नगला के पास एक टुकटुक पलट गया, जिसमें स्कूली बच्चे सवार थे,जो पढ़ाई करने स्कूल जा रहे थे रास्ते में आचक टुकटुक पलट गया,बच्चों को आई हल्की चोटें। हादसे की जानकारी हादसा उस समय हुआ जब टुकटुक चालक लापरवाही से वाहन चला रहा था। टुकटुक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खाई में पलट गया। इसमें सवार स्कूली बच्चे बाल-बाल बच गए। हादसे में लगभग 10 स्कूली बच्चे सवार थे,जिनमें से एक 5 वर्ष का भी मासूम सवार था। सभी बच्चे सुरक्षित हैं और उन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई है।

हिंदू मुस्लिम एकता मंच ने लिया कौमी एकता एवं स्वच्छता का संकल्प

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को तहसील क्षेत्र के ग्राम भदौरा में हिंदू मुस्लिम एकता मंच के कार्यकताओं की एक बैठक दिलशाद सलमानी के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित मंच के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा एवं रिफाकत चौधरी ने बताया कि हम सब हिन्दू एवं मुस्लिम निजी जीवन में भले से अपने अपने धर्म के अनुसार रहते हैं। लेकिन जब बात देश की आती है तो हम सब पहले भारतीय है। देश की सुरक्षा की हम सबकी जिम्मेदारी है। कोई भी बाहरी शक्ति देश की ओर गलत निगाह रखेगी तो मिलकर उसका मुकाबला किया जाएगा। इस अवसर पर भाई चारा बनाए रखने, जातिवाद एवं सांप्रदायिकता से अलग हटकर देश हित में कार्य करने की अपील की गई, इस मौके पर मुख्य रूप से दिलशाद सलमानी, समरपाल सिंह, मानसिंह, इशरत अली, रेवत सिंह,नहीम अली, पिंटू, बबलू, नबाब अली, नाजिर अली, इशरत अली, वीर पाल, रामपाल, रमजानी आदि उपस्थित रहे।

ताले तोड़कर स्पेलर, खल की बोरी आदि सहित लाखों के माल पर चोरों ने किया हाथ साफ

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। गुरुवार की देर रात अज्ञात चोरों ने नगर के गजरौला हसनपुर बायपास रोड पर एक्सीएन ऑफिस के सामने रामपुर भूढ़ निवासी रोहतास सिंह के स्पेलर से ताले तोड़कर सरसों की खल की दर्जनों भरी हुई बोरीया, 1 ड्रम सरसों का तेल, स्पेलर, चक्की, कटर, इंजन आदि सहित लगभग 5 लाख रुपए के माल पर हाथ साफ कर दिया, स्पेलर स्वामी ने बताया कि वह स्पेलर को बंद करके गांव में खेती आदि का काम निपटाने के लिए गए हुए थे, तथा सुबह लगभग 11 बजे जब वह आए तो स्पेलर के ताले टूटे हुए देखें तथा अंदर का नजारा देखकर उनके पैर तले जमीन खिसक गई, पीड़ित रोहतास सिंह ने बताया कि चोर लगभग 5 से 7 लाख रुपए के बीच का सामान चुरा कर ले रहे हैं, पीड़ित रोहतास सिंह द्वारा पुलिस को तहरीर दे दी गई है, इस संबंध में कोतवाल रविंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है तथा पुलिस ने मौका मुआयना किया है, तथा मामले की जांच की जा रही है, पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है तथा मुकदमा दर्ज कर जल्दी चोरी का खुलासा किया जाएगा।

नगर आयुक्त ने जोन 3 में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

लोकतंत्र की शान/कौशल रस्तोगी

लखनऊ। नगर निगम जोन 3 कपूरथला में समस्त लिपिक, कर निरीक्षक एक एवं दो, कर अधीक्षक जोनल अधिकारी अमरजीत, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के साथ वसूली एवं कर निर्धारण की समीक्षा बैठक की गयी। जिसमें जोन तीन की मांग पूरे वित्तीय वर्ष में मात्र रू 4,61,83, 212 होने के कारण नाराजगी व्यक्त की, जोन तीन में कदम रसूल, लाला लाजपत राय, महा कवि जयशंकर प्रसाद, महानगर एवं मनकामेश्वर वार्ड में मांग गत वर्ष की तुलना में कम थी अन्य सभी वार्डों में वृद्धि थी। इस पर नगर आयुक्त ने मधुरेश कुमार, वीरेंद्र कुमार को चेतावनी तथा आजाद अहमद को अनुपस्थित रहने एवं मांग गत वर्ष की तुलना में नकारात्मक होने के कारण एडवर्स एंट्री दी गई। नगर आयुक्त ने सख्त निर्देश दिया कि 31 मार्च तक कोई भी भवन परिवर्तन एवं परिवर्धन, कर निर्धारण से छूटा ना रहे। अनावासीय भवनों का शत प्रतिशत वसूली 15 जनवरी तक करनी होगी। इसके अतिरिक्त यह भी निर्देश दिया गया कि जिस भी कर निरीक्षक की 10 भवनों एवं रुपए 50000 प्रति वार्ड वसूली एवं 10 नए कर निर्धारण से कम रहा उनकी भौतिक रूप से बैठक रात 9:00 बजे एसबीएम हाल में होगी। जो कर निरीक्षक, कर अधीक्षक अच्छा कार्य करेंगे उसको पुरस्कृत किया जाएगा। जो लापरवाही करेगा उसको यहां से कार्य मुक्त कर दिया जाएगा।

भारतीय किसान संघ ने जिलाधिकारी कार्यालय पर विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा। शुक्रवार को भारतीय किसान संघ अमरोहा के जिला अध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ की जिला स्तरीय एक बैठक कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित की गई, जिसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं को रखा गया, इसके उपरांत मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय पर जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में एसडीएम को सौंपा गया, ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से मांग की गई है कि गन्ने का मूल्य 500 रुपए प्रति कुंतल जल्द से जल्द घोषित किया जाए, ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा पशुओं की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है तथा उनका आतंक भी बढ़ गया है अतः इस समस्या से छुटकारा दिलाया जाए, उझारी ढवारसी मार्ग से सैद नंगली मिजार्पुर मार्ग की मरम्मत शीघ्र अति शीघ्र कराई जाए, वही मुख्यमंत्री से मांग की गई है कि पूर्ति विभाग द्वारा जो पात्र व्यक्तियों के यूनिट काटे गए हैं उन्हें शीघ्र अति शीघ्र जोड़ा जाए, वहीं क्षेत्र की एक बड़ी समस्या को मुख्यमंत्री के समक्ष ज्ञापन के माध्यम से रखा गया जिसमें विद्युत विभाग द्वारा विभिन्न घरेलू बिलों को विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा अत्यधिक निकाला जा रहा है तथा ठीक करने के नाम पर अवैध वसूली की जाती है, वही फाल्ट ठीक करने के नाम पर भी विद्युत कर्मचारी रूपों की मांग करते हैं, भारतीय किसान संघ ने ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से मांग की है कि सभी समस्याओं का शीघ्र शीघ्र निस्तारण किया जाए अन्यथा भारतीय किसान संघ आंदोलन को विवश होगा, इस मौके पर ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा, महिपाल सिंह, सुनील कुमार, उमेश कुमार, अनुज चौहान, धर्मपाल सिंह चौहान, ओमवीर सिंह, आलोक चौहान, सुखदेव शर्मा, विशाल कुमार आदि सहित दर्जनों भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इनर व्हील क्लब हसनपुर आस्था द्वारा जीजीआईसी में विभिन्न वस्तुएं भेंट की गई

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। नगर की समाजसेवी संस्था इनर व्हील क्लब हसनपुर आस्था द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों का अवलोकन करने के लिए अमरोहा से आई क्लब की जिला अध्यक्षा विशाल प्रिया टंडन ने क्लब द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखा तथा गुरुवार को विशाल प्रिया टंडन ने राजकीय कन्या इंटर कॉलेज जीजीआईसी का दौरा भी किया, विद्यालय में पहुंची विशाल प्रिया टंडन ने मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्वलित किया तथा उनके स्वागत में छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया, इस दौरान इनर व्हील क्लब हसनपुर आस्था द्वारा विद्यालय में विभिन्न विकास कार्य कराए गए तथा विभिन्न वस्तुएं विद्यालय को समर्पित की गई, जिसमें विद्यालय को दरिया प्रदान की गई तथा विद्यालय में एक आर ओ भी लगवाया गया, वहीं विद्यालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारीयो को लिहाफ भी प्रदान किए, इस मौके पर जिला अध्यक्षा विशाल प्रिया टंडन ने क्लब के द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की, इस मौके पर मुख्य रूप से इनर व्हील क्लब हसनपुर आस्था की अध्यक्षा नीतू अग्रवाल, सचिव पारुल अग्रवाल, एडिटर खुशबू गुप्ता, कोषाध्यक्ष नेहा अग्रवाल, रितु अग्रवाल, सीमा, नेहा, इंदु, नीता, डोली, रचना, बबीता एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

पीडियाट्रिक सर्जरी डे समारोह का आयोजन हुआ

लोकतंत्र की शान/कौशल रस्तोगी

लखनऊ। आज पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में पीडियाट्रिक सर्जरी डे का भव्य समारोह आयोजित किया गया, यह कार्यक्रम के०जी०एम०यू० के साथ साथ पूरे देश में मनाया गया, जिसकी थीम 'पैदाइसी छोटे बच्चों में पेशाब से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाना" है इन बीमारियों में पेशाब का रास्ता लिंग के निचले भाग में (Hypospadias), पेशाब का रास्ता लिंग के ऊपरी भाग में (Epispadias) अविकशित अण्डकोश (UDT), श्वफ गुर्दे की सूजन (Hydronephrosis) इत्यादि होती हैं। इस सन्दर्भ में न्यू ओ०पी०डी० में एक प्रेस कान्फ्रेन्स का आयोजन किया गया, जिसमें सभी लोगों को मीडिया के माध्यम से बच्चों में पैदाइसी पेशाब से सम्बन्धित बीमारियों के प्रति जानकारी दी गयी और बताया गया कि ऐसे किसी भी लक्षण या बीमारी होने पर अपने बच्चों को पीडियाट्रिक सर्जन को दिखाएं, ऐसे बच्चों में बीमारी का इलाज समय से पहुँचने पर अत्याधुनिक उपकरणों जैसे लैप्रोस्कोपिक सेट, सिस्टोस्कोप, इन्डोस्कोपिक सेट इत्यादि के माध्यम से आपरेशन किया जाता है जिससे मरीज जल्द से जल्द रिकवर हो जाता है। इस अवसर पर पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के प्रमुख प्रो० जे०डी० रावत एवं अन्य डॉक्टर एस० एन० कुरील, डा० अर्चिका गुप्ता, डा० आनन्द पान्डेय डा० सुधीर सिंह डॉ० नितिन पंत, डा० पीयूष कुमार डॉ० गुरमीत सिंह, डॉ० राहुल कुमार राय सभी रेजीडेन्ट एवं विभाग के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे और ओ०पी०डी० में आये लगभग 200 मरीजों को देखा गया तथा उनके परिवार को सम्बोधित किया, उनको जानकारी प्रदान की गयी और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस अवसर पर पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में इलाज के लिए आये सभी बच्चों को खिलौने एवं उपहार दिए। कुलपति ने पीडियाट्रिक सर्जरी डे कार्यक्रम की जागरूकता पर सभी चिकित्सकों, रेजीडेन्ट एवं विभाग के समस्त कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सीएम योगी के क्रियाकलापों में दिखती है प्रदेश को उन्नति के पथ पर ले जाने की प्रतिबद्धता: स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती

महाकुम्भ नगर, 27 दिसंबर। महाकुम्भ 2025 के आयोजन और इसके लिए योगी सरकार द्वारा की जा रही अभूतपूर्व व्यवस्था पर ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना की है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ के लिए प्रयागराज में जो विकास कार्य किए जा रहे हैं उसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने पूर्ण लगन से इस कुम्भ पर्व की व्यवस्था की है। सिर्फ कुम्भ ही नहीं, प्रदेश को उन्नति के पथ पर अग्रसर करने की प्रतिबद्धता उनके क्रियाकलापों में दिखती है। सभी संत और प्रदेशवासी उन्हें धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने प्रदेश को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। यही नहीं, उन्होंने प्रदेश और देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सनातन धर्म के प्रति लोगों को एकजुट करने के लिए भी पीएम मोदी और सीएम योगी के प्रयासों की प्रशंसा की।

कुम्भ के लिए की जा रही अभूतपूर्व व्यवस्था

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रयागराज में जनवरी 2025 से शुरू हो रहे सनातन संस्कृति के सबसे बड़े समागम को भव्य और दिव्य बनाने के लिए वृहद स्तर पर प्रयास कर रही है। इसके लिए 6 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की धनराशि खर्च की गई है। संगम जाने वाले रास्तों का चौड़ीकरण हो या सौंदर्यीकरण विकास परियोजनाओं से प्रयागराज का कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं है। इनका संज्ञान लेते हुए स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने कहा कि प्रयागराज में भव्य और दिव्य कुम्भ पर्व होने जा रहा है। जो विकास के कार्य प्रदेश सरकार और सीएम योगी के मार्गदर्शन में किए जा रहे हैं, वह अभूतपूर्व हैं। बहुत अच्छी व्यवस्था की जा रही है। क्षेत्र का विस्तार भी खूब हो रहा है। सभी विभागों के कर्मचारी और अधिकारी अच्छा काम कर रहे हैं। इसके लिए सीएम योगी का साधुवाद है। हम उनके प्रति भी मंगलकामना करते हैं।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का श्रेय पीएम और सीएम को

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी में विश्वनाथ कॉरिडोर, विंध्य कॉरिडोर समेत उत्तर प्रदेश और देश में धार्मिक स्थलों के विकास के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पीएम और सीएम के नेतृत्व में देश सांस्कृतिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ रहा है। मोदी और योगी हिंदू संस्कृति और संस्कार के प्रति निष्ठावान हैं। उनका प्रयास है कि हिंदु संस्कृति की जागृति हो, सभी लोग वैदिक सनातन धर्म के अंतर्गत अपने समाज, अपने राष्ट्र, अपने धर्म, अपने धर्म क्षेत्र की उन्नति में प्रयत्नशील हों। इसके दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। आज सनातन धर्मावलंबी जाग्रत हुए हैं और अपनी संस्कृति को लेकर उनमें जागरूकता आई है। इसके लिए पीएम और सीएम को श्रेय दिया जाना चाहिए।

कक्षा चार के छात्र का शव पेड़ से लटका मिला

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर /आदमपुर। जैसे ही क्षेत्र में 10 वर्षीय छात्र के शव मिलने की खबर पहुंची तो क्षेत्र में हड़कंप मचा गया बताते चले कि गुरुवार की देर रात तहसील क्षेत्र के कस्बा आदमपुर के ग्राम इमरतपुर के मजरा शेरगढ़ में कक्षा चार के छात्र मुकेश का शव कीकर के वन में पेड़ से लटका हुआ मिला, खबर लगते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, मृतक 10 वर्षीय मुकेश प्राथमिक विद्यालय में कक्षा चार का छात्र था तथा वह गुरुवार को स्कूल नहीं गया था और दोपहर से घर से गायब हो गया था गांव में देर रात तक उसकी ढूंढ मचती रही, देर रात को मुकेश का शव घर से लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित कीकर के वन में पेड़ पर प्लास्टिक की रस्सी से लटका हुआ मिला, वहीं परिजनों ने हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है, बताया जा रहा है कि मृतक के पिता नरेश और मां मिथलेश देवी हरियाणा में मजदूरी करते हैं, मुकेश अपने चार भाई बहनों में तीसरे नंबर का था तथा गांव में नाना कुमार सेन के पास रहता था, इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत ने बताया कि पुलिस ने एवं फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है तथा शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, परिजनों की तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी, वहीं ग्रामीण एवं परिजनों का आरोप है कि मुकेश की हत्या की गई है जिसे आत्महत्या का रूप दिया गया है इसकी जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सीडब्लूसी के समक्ष प्रस्तुत करने के बाद मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया रेप पीड़ित बच्ची को

तौफीक खान संवाददाता बस्ती

बस्ती । इन दिनों जनपद के कलवारी थाना क्षेत्र में चार वर्षीय मासूम के साथ रेप का मामला सुर्खियों में बना हुआ है। घटना में संलिप्त तीनों आरोपी भी बच्चे ही हैं, इनकी उम्र भी छह वर्ष के ही आस-पास है। मामले में पुलिस ने रेप पीड़िता मासूम बच्ची को सीडब्लूसी के समक्ष प्रस्तुत किया, प्रस्तुत मामले एवं बच्चों की उम्र को देखकर अधिकारी भी दंग रह गए, बच्ची से बातचीत करने के बाद उसे डॉक्टरी परीक्षण के लिए जिला महिला अस्पताल भेजा गया। घटना गुरुवार दोपहर की बताई जा रही है, कलवारी थाना अंतर्गत एक गांव की बच्ची आंगनबाड़ी केंद्र पर खेल रही थी, इसी बीच गांव के तीन बच्चे भी पहुंचे एवं बच्ची को बहला फुसलाकर अपने साथ आंगनबाड़ी केंद्र में बने कमरे के अंदर लेकर चले गए और तीनों ने उसके साथ रेप किया। बच्ची के घर न पहुंचने पर काफी देर हो जाने पर उसको खोजता हुआ जब चचेरा भाई पहुंचा तो नजारा देख वह दंग रह गया। बच्ची के मां ने पुलिस को बताया कि जब बेटी उसको मिली तो उसके प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। यह देख जब पीड़ित बच्ची की मां उलाहना देने के लिए आरोपित बच्चों के घर गई, तो उससे गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर भगा दिया गया। फिलहाल पूरे मामलें में पुलिस ने बच्ची की मां के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर तैय्यब अंसारी ने कहा ऐसी घटनाओं में अहम रोल रहन-सहन और आसपास की वातावरण के माहौल के असर का भी हो सकता है। बच्चे किसके बीच में उठ बैठ रहे हैं, किस माहौल में उनका पालन- पोषण हो रहा है, इसका प्रभाव बच्चों के ऊपर पड़ता है। कभी-कभी बच्चे जानवरों को देख कर भी ऐसी हरकते करने लगते हैं, ऐसे में बच्चों को एक अच्छी गार्जियनशिप की जरूरत होती है। बच्चों को अच्छा माहौल दें, बच्चियों को अकेला न छोड़ें। क्षेत्राधिकार हरैर्या संजय सिंह ने बताया कि मौके पर जा कर जांच किया गया है मुकदमा दर्ज कर बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया है।

महाकुम्भ 2025 में निर्मल गंगा के संकल्प को साकार कर रहा नमामि गंगे मिशन

महाकुम्भ नगर, 27 दिसंबर। महाकुम्भ 2025 को न केवल आध्यात्मिकता का महापर्व, बल्कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का आदर्श प्रतीक बनाने के लिए नमामि गंगे मिशन ने अनूठी और व्यापक योजनाओं को लागू किया है। गंगा की पवित्रता और सतत प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए, प्रयागराज में वर्तमान में 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल क्षमता 340 एमएलडी है। महाकुम्भ 2025 की विशेष तैयारियों को सशक्त बनाने के लिए नमामि गंगे मिशन की ओर से तीन नई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनके अंतर्गत सलोरी में 43 एमएलडी, रसूलाबाद में 90 एमएलडी और नैनी में 50 एमएलडी क्षमता के अतिरिक्त एसटीपी का निर्माण किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य महाकुम्भ के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त गंगा जल उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि गंगा की अविरलता और निर्मलता को दीर्घकालिक रूप से सुनिश्चित करना भी है।

सभी नालों को किया गया टैप

गंगा और यमुना नदियों की निर्मलता और स्वच्छता को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रयागराज में अद्वितीय प्रयास किए जा रहे हैं। कभी 81 नालों से प्रदूषित होने वाली इन नदियों की कहानी अब बदल रही है। नमामि गंगे मिशन और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से, इन नालों को स्वच्छता की धारा में परिवर्तित करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्तमान में, 81 में से 37 नालों को पूरी तरह टैप कर उनका उपचार किया जा चुका है, जिससे इन नदियों में प्रदूषण का प्रवाह रुक गया है। इसके अलावा, 5 नालों को सूखा या अप्रभावी पाया गया है, जिन्हें किसी प्रकार के उपचार की आवश्यकता नहीं है। यही नहीं, महाकुम्भ 2025 की तैयारियों के तहत, राज्य सरकार ने अपने बजट में 17 नालों को टैप करने का दायित्व लिया है और इसके लिए आवश्यक संसाधन व प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराई जा रही है। शेष 22 नालों को टैप करने का कार्य नमामि गंगे मिशन (एनएमसीजी) के नेतृत्व में किया जा रहा है, जो स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है।

अत्याधुनिक तकनीक का किया जा रहा उपयोग

महाकुम्भ 2025 को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए नमामि गंगे मिशन द्वारा शुरू की गई दूरदर्शी योजनाओं का उद्देश्य गंगा और यमुना नदियों की निर्मलता और स्वच्छता को बनाए रखना है, ताकि नदियों की पवित्रता के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन को भी संरक्षित किया जा सके। गंगा और यमुना को निर्मल और अविरल बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक तकनीक, योजनाबद्ध अवसंरचना और समाज की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सुनिश्चित किया जा रहा है कि गंगा और यमुना की पवित्रता आने वाली पीढ़ियों तक अक्षुण्ण बनी रहे। मिशन की यह पहलें केवल महाकुम्भ को सफल बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य प्रयागराज की सीवरेज अवसंरचना को दीर्घकालिक रूप से मजबूत करना भी है।

महाकुम्भनगर में श्रद्धालुओं को राह दिखाएंगे 800 साइनेजेस

महाकुम्भनगर, 27 दिसम्बर : इस बार महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को घाट और आश्रमों तक पहुंचने में कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मेला प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप महाकुम्भनगर के रास्तों की सटीक जानकारी श्रद्धालुओं को मिल सके, इसके लिए सिर्फ मेला क्षेत्र में 800 साइनेजेस लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। अब तक कुल मिलाकर 400 से अधिक साइनेजेस की स्थापना कर दी गई है, जबकि 31 दिसंबर तक सभी 800 साइनेजेस लगाने का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। प्रयागराज का पीडब्ल्यूडी विभाग युद्ध स्तर पर इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। प्रतिदिन 100 साइनेजेस की स्थापना का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है।

विभिन्न भाषाओं में साइनेजेस की स्थापना

महाकुम्भ में देश के अलग-अलग प्रांतों से करोड़ों लोग आएंगे। इसके अतिरिक्त दुनिया के कई अन्य देशों से भी श्रद्धालु यहां संगम में आस्था की डुबकी लगाने और पुण्य कमाने के लिए आएंगे। ऐसे में भाषायी समस्या न आने पाए, इसका विशेष ध्यान रखा गया है। इसी क्रम में पीडब्ल्यूडी ने सीएम योगी के निर्देश पर विभिन्न भाषाओं में यहां साइनेजेस स्थापित किए हैं। इसमें हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं के साथ ही अन्य राज्यों की भाषाओं को भी प्रमुखता दी गई है। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी ने बड़ी संख्या में लोगों के प्रयागराज आने की संभावनाओं को देखते हुए भाषायी समस्याओं को दूर करने के लिए निर्देश दिए थे। इसी क्रम में पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट की ओर से यह कदम उठाया गया है। इन साइनेजेस की मदद से किसी भी राज्य से आने वाले श्रद्धालुओं को घाट और आश्रमों तक पहुंचने में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं आएगी।

31 तक साइनेजेस और पांटून का काम होगा पूरा

पीडब्ल्यूडी प्रयागराज के मुख्य अभियंता, एके द्विवेदी ने बताया कि विभागीय टीम युद्ध स्तर पर साइनेजेस लगाने के कार्य में जुटी हुई है। केवल मेला क्षेत्र में 800 साइनेजेस लगाने का लक्ष्य था, जिसमें से 400 साइनेसेज स्थापित कर दिए गए हैं। प्रतिदिन 100 साइनेजेस स्थापित करने के लक्ष्य के साथ कार्य किया जा रहा है। हर हाल में पूरे मेला क्षेत्र में सभी 800 साइनेजेस लगाने का कार्य 31 दिसंबर से पहले पूर्ण कर लिया जाएगा। इसी तरह पांटून ब्रिजों को भी तेजी से क्रियाशील किया जा रहा है। गुरुवार शाम तक 28 पांटून ब्रिज पूर्ण कर लिए गए हैं। किसी किसी ब्रिज में थोड़ा बहुत काम बाकी है, लेकिन जल्द ही इन सभी को क्रियाशील कर दिया जाएगा। शेष 2 ब्रिज भी 31 से पहले पूर्ण कर लिए जाएंगे।

प्रताप पब्लिक स्कूल में मनाया गया डोनेशन सप्ताह

सुखविन्दर सोही

करनाल। प्रताप पब्लिक स्कूल तरावड़ी में 21 दिसंबर से 27 दिसंबर तक शहीदी सप्ताह के अंतर्गत आज 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के बारे में विद्यालय की अध्यापिका द्वारा साहबजादों की शहादत के बारे में बताया गया। छात्रों द्वारा शब्द और कविता गा कर उन्हें याद किया गया। तत्पश्चात छात्रों द्वारा स्वेच्छा पूर्वक लाई गई खाद्य सामग्री एकत्रित कर कैबिनेट टीम और कनिष्ठ वर्ग के छात्रों ने गुरुद्वारा शीशगंज तरावड़ी , जाकर लंगर के लिए खाद्य सामग्री प्रदान की एवं श्रद्धा पूर्वक माथा टेककर प्रसाद के रूप में लंगर ग्रहण किया। वरिष्ठ वर्ग के छात्र दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र तपन, नीलोखेड़ी पहुंचे और वहां दिव्यांग बच्चों से मिलकर , उन्हें मनोरंजन से संबंधित उपहार प्रदान किए। उनकी दिनचर्या के बारे में बातचीत करते हुए वहां काफी समय बिताया । चेयरपर्सन हन्नी चौधरी एवं निर्देशिका पिथी चौधरी द्वारा छात्रों के इस प्रशंसनीय कार्य की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया । प्रधानाचार्य विकास उत्तरेजा ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों में बचपन से ही त्याग , सेवा ,समर्पण और सहायता की भावना जागृत करना है । ऐसे बच्चे बड़े होकर समाज और देश के सभ्य नागरिक बनते हैं और अंत में छात्रों को सदैव इस प्रकार के कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

विदेशों में धूम मचाएंगे सहकारिता संस्थाओं के उत्पाद : डा. अरविंद शर्मा

प्राथमिक सहकारी समितियों को लाभ में लाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान

- भारतीय सेना, मलेशिया व इंडोनेशिया में वीटा का दूध, दुबई व आबू धाबी में हैफेड उत्पाद हो रहे हैं निर्यात
- युवाओं को आगे लाने के लिए निजी स्थानों पर भी वीटा उत्पाद बिक्री केंद्र स्थापित करने की बनेगी योजना

गोहाना दिसंबर : सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह का संकल्प हर घर में सहकारिता का लाभ पहुंचाना है। इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में सहकारिता विभाग प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों को लाभ में लाने के लिए कमर कस चुका है। हम सब मिलकर युवाओं, विशेषकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएंगे और उनको रोजगार पाने की बजाय रोजगार देने वाले बनाने का काम करेंगे। वीरवार को सहकारिता मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने प्रदेश भर में सहकार से समृद्धि के संकल्प पर आगे बढते हुए गोहाना में जिला स्तरीय सहकारिता जागरूकता अभियान का उद्घाटन किया। कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात की तर्ज पर हरियाणा में प्राथमिक सहकारी समितियों को लाभ में लाने के लिए विशेष कार्य योजना बनाई जा रही है। हमारा लक्ष्य है कि किसान, महिला से लेकर युवा तक सहकारी संस्थाओं हर योजना की जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि वो तय कर सकें कि किस योजना में वो आत्मनिर्भर बनते हुए देश, समाज में अपना योगदान दे सकते हैं। सहकारी

सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा उपसिथगन को सम्बोधित करते हुए।

समितियों को समय पर लोन चुकाना और बेहतर विपणन प्रणाली के माध्यम से मुनाफे में लाने के लिए मिलकर काम करना है। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग विचार कर रहा है कि जो युवा निजी स्थान पर सहकारी संस्थाओं के उत्पादों को बिक्री करते हुए अपना काम शुरू करें, ताकि उनका स्वरोजगार विकसित हो।

कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने सोनीपत सेंट्रल को आपरेटिव बैंक लिमिटेड द्वारा शुरू की गई तीन योजनाओं म्हारे बुजुर्ग-म्हारी धरोहर, वीरांगना लक्ष्मीबाई बचत योजना व नारी शक्ति उत्थान योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने राज्य सहकारी बैंक व जिला सहकारी बैंक की स्वंय सहायता समूहों के लिए संयुक्त योजना में 208 समूहों को 4 करोड 16 लाख रुपए का लोन चैक वितरित किए। इसके अतिरिक्त उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया। हजारों के उमडे जनसमूह को देखते हुए कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने जागरूकता अभियान को गोहाना में शनिवार तक जारी रखने के आदेश दिए। इस अवसर पर गन्नौर विधायक देवेन्द्र कादयान, कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा की धर्मपत्नी डा. रीटा शर्मा, सहकारी संस्थानों के चेयरमैन धर्मबीर डागर, अमरपाल राणा व हुकुम सिंह भाटी, हरियाणा सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार राजेश जोगपाल, हैफेड एमडी मुकुल कुमार, हरकोफेड एमडी सुमन बल्हारा, संयुक्त रजिस्ट्रार हरप्रीत कौर, नरेश गोयल व योगेश शर्मा, गौकर्ण धाम के प्रमुख महंत बाबा कमल पुरी महाराज, अतिरिक्त रजिस्ट्रार कविता धनखड व वीरेंद्र दहिया, एसडीएम गोहाना अंजलि श्रोतिया, एमडी शुगर मिल अंकिता वर्मा, पूर्व महापौर मनमोहन गोयल व रेणु डाबला, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष बलराम कौशिक आदि उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति सहित विभिन्न संगठनो ने देश के केंद्रीय गृह मंत्री के खिलाफ नारायणगढ़ की सड़कों पर प्रदर्शन

नारायणगढ़ के लघुसचिवालय में प्रदर्शन करते व नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौपते अनुसचित जाति सहित विभिन्न संगठनो के लोग ।

नारायणगढ़ दिसम्बर : राज्य सभा में बाबा भीव राव अम्बेडकर साहब का अपमान करने पर समस्त अनुसूचित जाति समाज सहित अन्य संगठनो ने देश के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारायणगढ़ शहर की सड़कों पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया । जहां पर विभिन्न संगठनों के लोग सबसे पहले नारायणगढ़ के

मुलखराज छोटी रसौर,व वकील अश्वनी नागरा।

अम्बेडकर भवन में एकत्रित हुए और यहां से रोष प्रदर्शन करते हुए नारायणगढ़ के लघुसचिवलय पहुंच कर वहा जारेदार प्रदर्शन कर रोष प्रकट किया और महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन नारायणगढ़ के नायब तहसीलदार को सौपा कर गृहमंत्री को बरखस्त की मांग रखी।

पूर्व सरपंच मुलखराज छौआी रसौर ने कहा कि जो देश के गृहमंत्री ने सदन में हमारे बाबा साहब का अपमान किया है। इस अवसर पर मुल्क राज छोटी रसोर, रामचंद बरौली राजवीर दनौरा,रामकिशन,वेद प्रकाश कंजाला,रॉकी,वकील पंकज, एडवोकेट विरेन्द्र,मुकेश पंजलासा,रविन्द्र मोहन,सुरेश रामपुर,विनय दनौरा,रामनाथ,राजेश बडी रसौर,राजेश ,गुरदास शाहपुर,नीरज शाहपुर,चमनलाल पंजलासा,बिल्ला डेहर,जितेंन्द्र अब्दूला,गुरदास, शीशपाल कुराली शीशपाल पंजलासा नैब कुराली सतीश सेठी सहित अन्य सैक्ड़ों संगठन के लोग मौजूद थे।

वीर साहिबजादों का सर्वोच्च बलिदान युगों-युगों तक प्रेरणा देता रहेगा : पंडित बड़ौली

- गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह का बलिदान वीरता का अनुपम और उत्कृष्ट बलिदान : बड़ौली

चंडीगढ़ दिसंबर : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी शहीदों और वीरों का सम्मान करने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि साहिबजादों का सर्वोच्च बलिदान युगों-युगों तक प्रेरणा देता रहेगा। बड़ौली ने कहा कि भारत का इतिहास शूरवीरों और बलिदानियों की गाथा से भरा हुआ है। सिख धर्म के 10वें गुरू गोविंद सिंह के साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह का बलिदान दुनिया में अपने आप में वीरता का अनुपम और उत्कृष्ट बलिदान हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली गुरुवार को देश और धर्म पर कुर्बान होने वाले साहिबजादों की याद में धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर आयोजित राज्य स्तरीय वीर बाल दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने वीर साहिबजादों के बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया और वीर बाल दिवस को राष्ट्रीय बाल दिवस घोषित करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। इस अवसर पर साहिबजादों की शहादत को समर्पित पुस्तक का विमोचन किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सभी धर्मगुरुओं एवं सामाजिक संस्थाओं से अनुरोध किया कि आज के शुभ अवसर पर युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने का संकल्प लें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वीर साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह ने छोटी सी आयु में धर्म और सत्य के लिए जो साहस दिखाया वह हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। श्री बड़ौली ने कहा कि छोटी सी आयु में जिस प्रकार से वीर बालक अपने सिद्धांतों पर अड़िग रहे यह बलिदान हमारी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि महापुरूषों ने देश और परम्पराओं के लिए बलिदान दिया है, इसलिए हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम उनके बलिदान को याद रखें और आने वाली पीढ़ी को भी बताएं। उन्होंने कहा कि जो कौम शहीदों को याद नहीं रखती है वह देश तरक्की नहीं कर सकता। देश की तरक्की तभी होगी जब हम अपने बलिदानियों और महापुरूषों के त्याग और बलिदान को याद रखेंगे। बड़ौली ने कहा कि भाजपा ने हमेशा सिख धर्म और उनकी विरासत का सम्मान किया है।

उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को भारत की गौरवशाली गाथा से प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में मोहन लाल बड़ौली ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कार्यभार संभालते ही जन-जन की भावनाओं का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी पूरे मन और भावना से परम्पराओं का निवर्हन करते हुए जनहित में काम कर रहे हैं।

शरीरदान कर अमर हुईं सत्या देवी

कंधा देकर रवाना करतीं सत्या देवी की पुत्रियां व पुत्रवधू।

- मेडिकल रिसर्च के काम आएगी किशनपुरा निवासी सत्या देवी की पार्थिव देह

कुरुक्षेत्र, दिसंबर। गांव किशनपुरा की शंकर कॉलोनी निवासी 76 वर्षीय सत्या देवी के शरीर को मरणोपरांत मेडिकल रिसर्च के लिए दान किया गया है। फ्यूचर इंस्टीटयूट आफ मेडिकल साईस बरेली में सत्या देवी की पार्थिव देह को एंबुलेंस के माध्यम से भेज दिया गया है। देर सायं जैसे ही सत्या देवी के शरीर को मेडिकल रिसर्च के लिए एंबुलेंस के माध्यम से मेडिकल कॉलेज में ले जाया जा रहा था तो पूरा वातावरण सत्या देवी अमर रहे के नारों से गूंज गया। शाह सतनाम जी ग्रीन एस वेल्फेयर फोर्स कमेटी के सेवादारों समेत अन्य लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर सत्या देवी को अंतिम विदाई दी। सत्या देवी के बेटे अजायब सिंह इन्सां ने जानकारी देते हुए बताया कि उनका पूरा परिवार डेरा सच्चा सौदा के जुड़ा हुआ है। सत्या देवी ने जीते जी मरणोपरांत शरीरदान का फार्म भरा हुआ था।

सत्या देवी अपने पीछे दो बेटे अजायब सिंह व नैब सिंह के अलावा पुत्रवधू प्रकाशो देवी व मेवा देवी, बेटी नैबो देवी, करनैलो देवी, पोत्र रविंद्र, लाडी, गोल्डी व सतबीर, पौत्री कविता व पिंकी को छोड़ गई हैं। उनके शरीर दान के फैसले पर पूरा परिवार गर्व महसूस कर रहा है कि उनकी बुजुर्ग का शरीर मेडिकल रिसर्च के काम आएगा। इस दौरान उनकी अर्थी को उनकी बेटियों व पुत्रवधुओं ने कंधा दिया।

आंगनवाड़ी केंद्रों में सुधार हरियाणा सरकार की प्राथमिकता : श्रुति चौधरी

चंडीगढ़, दिसंबर : आंगनवाड़ी केंद्रों का सुधार करना हरियाणा सरकार की प्राथमिकता में शुमार है।

हरियाणा की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी तोशाम हलके के कई गांवों का दौरा करते वक्त अधिकारियों को निर्देश दे रही थी। इस दौरान उन्होंने गोलागढ़ गांव स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण भी किया। मंत्री ने केंद्र के अंदर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति और उनके रजिस्टरों की जांच की।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्मचारियों को रजिस्टर नियमित और व्यवस्थित तरीके से बनाए रखने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों का रिकॉर्ड सही तरीके से मेंटेन किया जाए और उनकी डाइट से संबंधित

सभी जानकारी को सटीक रूप से दर्ज किया जाए। यदि किसी महिला या बच्चे को कोई समस्या होती है तो उसका समाधान शीघ्रता से सुनिश्चित किया जाए।

श्रुति चौधरी ने सुझाव दिया कि केंद्रों में एक शिकायत पेटी लगाई जाए ताकि महिलाएं अपनी समस्याओं को उसमें लिखकर डाल सकें। इन शिकायतों पर प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाए। मंत्री ने दौरे के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं में सुधार लाने और महिलाओं एवं बच्चों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बीस दिवसीय आचार्य व्यक्तित्व विकास शिविर संपन्न

शिविरार्थियों को सम्मानित करते आयोजक।

खरखौदा दिसम्बर : आदर्श गांव योजना के तहत सूर्या फाउंडेशन द्वारा झिंझौली में आयोजित बीस दिवसीय आचार्य व्यक्तित्व विकास शिविर का समापन हो गया। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय पहलवान योगेश्वर दत्त, पैरा ओलंपिक भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल और कुश्ती खिलाड़ी रवि दहिया ने शिरकत की। समारोह की शुरूआत आदर्श गांव योजना के प्रमुख प्रमोद आसरे द्वारा की गई । योगेश्वर दत्त ने शिविरार्थियों को अपने जीवन के अनुभवों से प्रेरित किया और उन्हें मेहनत, संघर्ष और समर्पण के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास जरूरी हैं। शिविर में भाग ले रहे बच्चों और युवाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर वीरेंद्र कौशिक, सरपंच नीतू, भंवर सिंह और शिव राजवाड़े मौजूद थे। समारोह के अंत में प्रमोद आसरे ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य न केवल व्यक्तित्व विकास, बल्कि ग्रामीण युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना है। शिविर में भाग ले रहे सभी युवाओं को सम्मानित किया गया।

गीता निकेतन विद्या मंदिर में मनाया वीर बाल दिवस

कुरुक्षेत्र, दिसंबर। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संचालित विद्यालय गीता निकेतन विद्या मंदिर, सेक्टर-3, कुरूक्षेत्र में गुरु गोबिंद सिंह के बच्चों की शहादत के अवसर पर वीर बाल दिवस मनाया गया। जिसका उद्देश्य देश की भावी पीढ़ी को साहबजादों के सहास, शौर्य और पराक्रम से अवगत कराना था। कार्यक्रम का संचालन प्रातः वंदना सत्र में शिवाजी सदन प्रमुख गरिमा शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन विद्यालय आचार्य गरिमा शर्मा द्वारा किया गया। छात्रों ने शब्द, भजन आदि प्रस्तुत किए चारों साहबजादों के जीवन पर प्रकाश डाला गया।

विद्यालय प्रधानाचार्य सुमित कुमार ने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों की अनुकरणीय कहानी बताने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिन्होंने अपने धर्म की रक्षा के लिए प्राण न्योछावर कर दिए।

प्रधानाचार्य ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए बताया कि गुरु गोबिंद सिंह के साहबजादों ने मुगलों के सामने शीश नहीं झुकाया। अत्याचार को सहन करके भी अपना धर्म सुरक्षित रखा। उनका बलिदान व्यर्थ ना जाए। गुरु गोबिंद सिंह के वीर पुत्रों की कहानी हमें अपने देश, धर्म, संस्कृति से प्रेम करने का संदेश देती है। हमें भी हमेशा अपने राष्ट्र के प्रति निष्ठावान रहना चाहिए।

सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के आम नागरिक तक त्वरित लाभ के लिए जल्द शुरू करेगी '104 हैल्पलाइन'

हरियाणा में अब '104 स्वास्थ्य हैल्पलाइन' पर फोन करते ही तुरंत मिलेगी स्वास्थ्य सेवा, हर दुविधा होगी दूर

- हैल्पलाइन से जुड़े स्वास्थ्य विभाग के तमाम प्रोग्राम, दवा न मिलने से जुड़ी दिक्कतों का भी मौके पर होगा समाधान

चंडीगढ़ दिसंबर : हरियाणा सरकार स्वास्थ्य सेवाओं का आम नागरिकों तक त्वरित लाभ पहुंचाने के मकसद से '104 स्वास्थ्य हैल्पलाइन' शुरू करने जा रही है। इसके शुरू होते ही सिविल अस्पताल में पहुंचने वाले हर नागरिक या रोगी को किसी भी तरह की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा बल्कि उसकी हर दुविधा का मौके पर ही समाधान कर दिया जाएगा। इसे लेकर एनएचएम (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) हरियाणा ने तमाम स्वास्थ्य सेवाओं को 104 से जोड़ते हुए पायलट के तौर पर काम भी शुरू कर दिया है। जल्द ही स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव से विधिवत उद्घाटन के बाद इसे पूरे प्रदेश में लागू कर दिया जाएगा।

हैल्पलाइन पर एजैंट कॉल को रिसीव करते हुए।

दिक्कतों के समाधान को लेकर शुरू होगी सेवा

दरअसल, पिछले लंबे समय से विभाग के पास अकसर ऐसी शिकायतें आती रहती थी कि रोगी को दवा काउंटर पर दवा नहीं मिली। डॉक्टर बाहर की दवा लिखते हैं। अस्पताल में सफाई का अभाव है। शौचालय गंदगी से अटके पड़े हैं। शौचालयों में पानी तक नहीं आता। गर्भवतियों को एंबुलेंस नहीं मिलती। एंबुलेंस वाले परेशान करते हैं। डॉक्टर समय पर नहीं पहुंचते। समय पर एक्सरे नहीं होते। इसके अलावा भी रोगियों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता था। विभाग भी इन शिकायतों का समय रहते निपटान नहीं कर पाता था। कई बार शिकायत से संबंधित साक्ष्य नहीं मिल पाते थे। जिस कारण सच और झूठ का भी पता नहीं चल पाता था। इन तमाम समस्याओं का समाधान तलाशते हुए केंद्र ने '104 स्वास्थ्य हैल्पलाइन' शुरू करने पर विचार किया और सभी राज्यों को अपने-अपने राज्य में यह सेवा शुरू करने बारे हिदायतें जारी की।

सेवा का पूर्णतय लाभ पहुंचाने के लिए लगेंगे चेकआउट, हर कॉल की होगी समीक्षा

दरअसल, इस सेवा का सही और पूर्ण तरीके से रोगियों को लाभ मिले, इसके लिए एनएचएम चेकआउट का पैमाना भी तैयार करने जा रहा है। जिसके तहत राज्य में एक राज्य नोडल अधिकारी होगा और सभी जिलों में जिला नोडल अधिकारी होंगे। किसी भी जिले से जुड़ी शिकायतों के 104 स्वास्थ्य हैल्पलाइन पर रिसीव होने के बाद उसका रिकॉर्ड जिला नोडल अधिकारी के पास होगा। जिसका जिला नोडल अधिकारी को एक या दो दिन में समाधान करना होगा। अगर जिला नोडल अधिकारी ऐसा नहीं करेगा तो वह शिकायत सॉफ्टवेयर के जरिए सीधा राज्य नोडल अधिकारी के पास पहुंच जाएगा। जिन्हें उस शिकायत का तीन से चार दिन में समाधान करना होगा। अगर वह भी उसका समाधान नहीं करेंगे तो वह शिकातय आगे एमडी एनएचएम और स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तक पहुंच जाएगी। जिसके बाद संबंधित नोडल अधिकारी से जवाब भी तलब किया जाएगा।

हरियाणा ने पंचकूला में बनाया कॉल सेंटर, दर्ज होगा सभी शिकायतों का रिकॉर्ड

नोडल अधिकारी डॉ. यादविंद्र सिंह का कहना है कि केंद्र सरकार की इस योजना को हरियाणा अमलीजामा पहनाने जा रहा है। एनएचएम हरियाणा ने हैल्पलाइन को शुरू करने से पहले सभी जरूरी इंतजाम पूरे कर लिए हैं। इसके लिए पंचकूला में हारट्रोन के मार्फत एक कॉल सेंटर भी बनाया गया है। जहां सेवा के प्रभावी रूप से शुरू होने के बाद हर कॉल को कॉल सेंटर पर बैठक सीट एजेंट द्वारा रिसीव किया जाएगा। इसके लिए एजेंटों को ट्रेनिंग भी मुहैया करवाई गई है। एजेंट संबंधित कॉल का न केवल रोगी या तिमारदार को रिस्पांस देंगे बल्कि उससे जुड़ी दिक्कतों को भी दूर करने का प्रयास करेंगे। हैल्पलाइन के साथ एनएचएम और डीजीएचएस ऑफिस द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों को शामिल किया जाएगा ताकि किसी भी रोगी से जुड़ी हर समस्या को दूर किया जा सके।

रक्तदान शिविर में 135 युवाओं ने स्वेच्छा से किया रक्तदान

रक्तदाताओं का हौसल्ला बढाते स्कूल निदेशक बीबी गुप्ता, प्रधानाचार्य जयभारत गुप्ता व क्लब प्रधान हरजिन्द्र सिंह।

गन्नौर, दिसंबर : बाल भवन बोर्डिंग स्कूल गन्नौर में बाल भवन ग्रुप आफ स्कूल की संस्थापक सदस्य स्वर्गीय कमलेश देवी की स्मृति में लगे रक्तदान शिविर में 135 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में लायंस क्लब गन्नौर के सहयोग लायंस ब्लड बैंक की टीम अपनी सेवा देगी। रक्तदान शिविर का शुभारम्भ स्कूल के निदेशक बी बी गुप्ता ने लायंस क्लब के प्रधान हरजिन्द्र सिंह रोडडा के सहयोग से स्वर्गीय कमलेश देवी की फोटो पर पुष्प अर्पित करके किया।

स्कूल के प्रधानाचार्य जय भारत गुप्ता ने स्कूल पहुंचने पर क्लब के प्रधान व अन्य अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस मौके स्कूल की तरफ से व्यवस्था नेहा सिन्धु एकेडीमिक कोर्डिनेटर, प्रीति ढीगड़ा, नरवीर व क्लब की तरफ से नगरपालिका चेयरमैन अरूण त्यागी, सचिव विजय कुमार, डा. डीपाल भाटिया, डा. राजेश, आर पी वर्मा, दीपक गोयल आदि ने सहयोग किया।

सौ दिवसीय मेगा हेल्थ कैम्प के आयोजन में 167 लोगो की हुई स्क्रीनिंग

प्रत्येक प्रखंड से दो पंचायत का चयन कर उसे टीबी मुक्त पंचायत बनना है

›› जिले को टीबी मुक्त बनाने का हो रहा है प्रयास, प्रखंडो में कैंप लगाकर हो रहीं है टीबी की जाँच

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

मोतिहारी। जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सफल प्रयास किया जा रहा है, जिसके तहत सौ दिवसीय मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन सभी प्रखंडो में करते हुए कैंप लगाकर यक्षमा मरीजों की खोज की जा रहीं है। वहीं वैन के द्वारा प्रचार- प्रसार करने के साथ पोर्टेबल मशीन से एक्स रे की जा रहीं है वहीं टीबी के संदिग्ध मरीज मिलने पर उनका स्पूटम कलेक्ट किए जा रहें है। जिला यक्षमा केंद्र पदाधिकारी डॉ संजीव ने बताया की अरेराज, ढाका, रक्सौल के बाद चिरैया प्रखंड क्षेत्र के बड़ा जयराम पंचायत में वर्ल्ड विजन इंडिया के सहयोग से सौ दिवसीय मेगा एक्सप्रेस हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें 167 लोगो की टीबी स्क्रीनिंग करते हुए उनकी बीपी, शुगर, लंबाई, वजन आदी की जाँच की गईं। उन्होंने बताया की काफी कम समय में टीबी के संदिग्ध मरीजों की स्क्रीनिंग अल्ट्रा पोर्टेबल डिजटल एक्सरे मशीन से किया जा रहा है, इससे जिले के टीबी मरीजों की असानी से खोज हो रहीं है। वर्ल्ड विजन इंडिया के जिला पर्यवेक्षक रंजन कुमार वर्मा और एसटीएस अरविंद कुमार ने बताया कि हेल्थ कैम्प में 55 टीबी के संदिग्ध रोगी पाये गये, जिनका बलगम संग्रह कर नेट टेस्टिंग के लिए जिला यक्ष्मा केंद्र मोतिहारी में भेजा गया है। वहीं टेस्ट रिपोर्ट आने पर टीबी पॉजिटिव मरीजों को मेडिसिन उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रत्येक प्रखंड से दो पंचायत का चयन कर उसे टीबी फ्री पंचायत बनना हैं:

टीबी के नोडल पदाधिकारी डॉ सुनील ने बताया की जिले में सरकार के सहयोग से 100 डे कैंप के तहत टीबी का स्क्रीनिंग करना हैं इस एक्सप्रेस हेल्थ कैम्प से जनमानस को काफी लाभ मिल रहा हैं अल्ट्रा पोर्टेबल से दो मिनट के अंदर एआई द्वारा रिजल्ट पता चल जाता हैं प्रधानमंत्री का लक्ष्य हैं प्रत्येक प्रखंड से दो -दो पंचायत का चयनित कर उसे टीबी मुक्त पंचायत बनना हैं उस पंचायत में ज्यादा तर कैम्प किया जा रहा हैं और एक्टिव केस फाईडिंग किया जा रहा है। ताकि उस पंचायत को जल्द से जल्द टीबी फ्री किया जा सके, क्योंकि प्रधानमंत्री का लक्ष्य 2025 तक टीबी फ्री इण्डिया बनाने का है उसे सफल बनाया जा सके, इसके लेकर विल्र्ड विजन इंडिया एन टीईपी को पूरा समर्थन कर रही हैं ताकि इस कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके। मौके पर विल्र्ड विजन इंडिया के जिला पर्यवेक्षक रंजन कुमार वर्मा, एसटीएस अरविंद कुमार, सीएचओ महेश यादव स्टाफ नर्स, रुपा कुमारी, रेडियो ग्राफर महमद सैफ अली, कंम्यूनिटी को ऑर्डिनेटर मिथलेश कुमार, अभिषेक कुमार, व अन्य लोग मौजूद थे।

वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना में ई रिक्शा पलटने से पांच पर्यटक यात्री घायल, एक हुआ रेफर

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना के वन प्रमंडल 2 के वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र में स्थित जटाशंकर मंदिर के निकट पर्यटकों से भरा एक ई रिक्शा पलट जाने के कारण उसमें सवार पांच यात्री घायल हो गए,घटना शुक्रवार की दोपहर की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार पर्यटक पड़ोसी देश नेपाल के चितवन जिला के भारतपुर के निवासी बताए जाते हैं।घायलों में पुरुष और महिलाएं शामिल हैं।महिला पर्यटक त्रिलोचन श्रेष्ठ उम्र लगभग 50 वर्ष, रीता गेमेरे उम्र लगभग 48 वर्ष,मीणा खड़का उम्र लगभग 34 वर्ष,सूजन अधिकारी उम्र लगभग 42 वर्ष और पुरुष नारायण बहादुर साईं ठाकुरी उम्र लगभग 60 वर्ष शामिल है।पर्यटकों में नारायण बहादुर साईं ठाकुरी ने बताया कि वे लोग अयोध्या धाम मंदिर भ्रमण के बाद वाल्मीकि आश्रम मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे।तभी तेज गति में ई रिक्शा होने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई।घटना की सूचना पर घटना स्थल पर पहुंचे वनकर्मियों और अन्य पर्यटकों के सहयोग से घायल पर्यटकों को वाल्मीकि नगर स्थित अतिरिक्त प्राथमिकी स्वास्थ्य केंद लाया गया।जहां मौके पर मौजूद डा. विकास कुमार और स्वास्थ्यकर्मी नंद किशोर सैनी ने सभी घायलों का उपचार किया।इस सन्दर्भ में जानकारी देते हुए डा. विकास कुमार ने बताया कि सभी घायलों का उपचार कर दिया गया है। इनमें से एक महिला मीणा खड़के की स्थिति चिंताजनक है।उपचार के उपरांत बेहतर इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेज दिया गया है।वहीं वीटीआर के वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र में तैनात प्रशिक्षु डीएफओ स्टालिन फीडेल कुमार ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि ऐसी सूचना मिली है। मामले की जांच की जा रही है। आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

निर्माणाधीन मकान के बाहर रखी बालू रात में हो गयी चोरी

जालौन-उरई । छिरिया मलकपुरा चौकी क्षेत्र में निर्माणाधीन मकान के बाहर रखी बालू रात में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई है। पीड़ित ने चोरी की सूचना कोतवाली में दी है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला तोपखाना निवासी मुन्ने खां ने पुलिस को बताया कि उनका एक प्लॉट बंगरा रोड पर छिरिया मलकपुरा चौकी क्षेत्र में स्थित है। जिसमें वह निर्माण कार्य करा रहे हैं। निर्माण कार्य के लिए उन्होंने दो ट्रक बालू उन्होंने मंगवाई थी। जो निर्माणाधीन प्लॉट के बाहर ही पड़ी थी। दो दिन पूर्व रात के समय अज्ञात चोरों वहां पड़ी बालू से चार पांच ट्रॉली बालू चोरी कर ली। जब वह प्लॉट पर पहुंचे तब उन्हें चोरी का पता चला। काफी तलाश करने के बाद भी चोरों का कहीं कोई पता नहीं चला। पीड़ित ने पुलिस से उसकी चोरी गई बालू को बरामद कराने की गुहार लगाई है।

भजन बजाने पर चले लाठी-डंडे, पुलिस ने किया मामला दर्ज

कोंच। भजन बजा रहे युवक के साथ 4 लोगों ने लाठी डंडे से हमला कर उसे घायल कर दिया था। उक्त मामले में कैलिया पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम धौरपुर निवासी हरदयाल कुशवाहा पुत्र लक्ष्मन ने पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि बीती 23 दिसंबर को उसका नाती रविन्द्र पुत्र मनोज साउंड सिस्टम पर भजन बजा रहा था। इसी दौरान गाँव के ही गौरीशंकर और रामबाबू पुत्रगण मूंगाराम कुशवाहा, मंगल पुत्र दयाशंकर कुशवाहा, दशरथ पुत्र रामबाबू कुशवाहा मौके पर आए और नाती से साउंड बंद करने को कहा। नाती साउंड बंद कर जैसे ही साउंड उठाने लगा तभी उक्त लोगों ने गाली गलौज कर लाठी डंडे से नाती पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। डायल 112 पुलिस की मौजूदगी में घायलावस्था में नाती को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहाँ से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मामले को लेकर पुलिस ने उपरोक्त चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की।

जन्म दिवस पर गरीब व असहाय लोगों को किये कंबल वितरित

जालौन-उरई। राष्ट्रीय अपराध जांच ब्यूरो के महानिदेशक का जन्म दिवस गरीब व असहाय लोगों को कंबल वितरित कर मनाया गया। इस दौरान कंबल पाकर लोगों के चेहरे खिले नजर आए। राष्ट्रीय अपराध जांच ब्यूरो के महानिदेशक सुरेश शुक्ला का जन्म दिवस संस्था द्वारा गरीब व असहाय लोगों के बीच जाकर मनाया गया। इस दौरान अतिरिक्त राज्य निदेशक डॉ. सोमेंद्र श्रीवास्तव नगर के गरीब व असहाय लोगों के घरों पर पहुंचे। जहां उन्होंने शीतलहर से बचाव के लिए उन्हें कंबलों का वितरण किया। इस दौरान 10 गरीब व असहाय व्यक्तियों को कंबल वितरित किए गए। जिन्हें पाकर उनके चेहरे खिले नजर आए। डॉ. सोमेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि हर व्यक्ति को सम्मान के साथ जीवन जीने की स्वतंत्रता है। यदि कोई कमजोर व्यक्ति है तो उसकी मदद के लिए लोगों को आगे आना चाहिए। इस मौके पर कौशल किशोर श्रीवास्तव ददद्दू, डॉ. ओसाफ अंसारी, श्रीकृष्ण कोष्ठा आदि मौजूद रहे।

हल्की बूंदाबांदी के बाद बढ़ी ठंड

कोंच। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में हुई बूंदाबांदी और सर्द हवाएं चलने से एकाएक गलन भरी सर्दी बढ़ गयी है जिससे हर उम्र के लोग बेहाल नजर आ रहे हैं। वहीं राहगीर, कामगार, दुकानदार आदि लोगों को सर्दी से राहत देने के लिए नगर पालिका द्वारा नगर में अलग अलग स्थानों पर जो अलाव जलवाये जा रहे हैं, एसडीएम लगातार चैकिंग कर रहीं हैं।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भारतीय गोरखा सेवा संघ के 17वां स्थापना दिवस।

गोरखा सेवा संघ वाल्मीकि नगर के अध्यक्ष सीता राम राणा ने राज्य सरकार से प्राथमिक शिक्षा में नेपाली भाषा को मातृभाषा के रूप में शामिल करने की मांग उठाई।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बगहा। नेपाली समाज द्वारा वाल्मीकि नगर में भारतीय गोरखा सेवा संघ के 17वां स्थापना दिवस को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ शुक्रवार मनाया है।साथ ही नेपाली समाज द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेनेवाले कलाकारों के साथ गीत नृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।वहीं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले नेपाली लोगों को भी नेपाली समाजों द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं भारतीय गोरखा सेवा संघ वाल्मीकि नगर के अध्यक्ष सीता राम राणा ने राज्य सरकार से प्राथमिक शिक्षा में नेपाली भाषा को मातृभाषा के रूप में शामिल करने की मांग उठाई। भारतीय गोरखा नागरिकों को अल्पसंख्यक भाषा का दर्जा दिलाने, प्राथमिक शिक्षा में नेपाली भाषा को भी मातृभाषा के रूप में शामिल करने की मांग की।उन्होनें आगे बताया कि जैसे थारू महाकल्याण संघ को राज्य सरकार द्वारा आरक्षण प्राप्त हुई है वैसे ही नेपाली समाज को भी राज्य सरकार से आरक्षण दिलाने की गुहार लगाई हैं।इस अवसर पर भारतीय गोरखा सेवा संघ के अध्यक्ष सीता राम राणा,कोषाध्यक्ष मनोज थापा, सचिव विजय बहादूर,मुन्ना थापा, गंगा सिंह थापा,छोटन प्रसाद, शम्भू देवी, राजू थापा,राम सिंह,केशव थापा,किशोर थापा, कालाधर मुखिया, चन्द्रिका मुखिया आदि समेत नेपाली समाज के कई महिला एवं पुरूष शामिल रहें।

तेजस्वी के कार्यक्रम को लेकर महिला राजद द्वारा बैठक आयोजित

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

सीतामढ़ी। रुन्नीसैदपुर प्रखंड के रुपौली ग्राम में राजद नेता अधिवक्ता लाल बाबू राय के दरवाजे पर श्रीमती इंद्राणी राय जिला अध्यक्ष राजद महिला की अध्यक्षता में बैठक की गई। 30 दिसंबर को तेजस्वी प्रसाद यादव के सीतामढ़ी के कार्यक्रम के सफलता को लेकर चर्चा की गई। श्रीमती इंद्राणी ने बताया कि जिला अतिथि भवन महिलाओं का कार्यक्रम होना तय हुआ है। जिसमें जिला कमिटी की पदाधिकारी, प्रखंड अध्यक्ष, प्रधान महासचिव, सचिव, पंचायत अध्यक्ष कार्यक्रम में भाग लेंगी। हमारे नेता तेजस्वी महिला संगठन के लोगों से बात करेंगे। सुबह 11 बजे कार्यक्रम आरंभ होगा। उन्होंने महिलाओं से पास बनाने हेतु फोटो के साथ संपर्क करें। जिनके पास होगा, वही कार्यक्रम में भाग ले सकेंगे। 2025 में सरकार बनने पर राजद माई बहिन मान योजना के तहत 2500 प्रतिमाह प्रत्येक महिला को देगी। 200 यूनिट बिजली फ्री दिया जाएगा। वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन की राशि 400 से बढ़ा कर 1500 दिया जाएगा। मौके पर उपस्थित प्रतिभा राय जिला महासचिव, नेहा कुमारी जिला महासचिव, नैनी देवी प्रखंड अध्यक्ष रुन्नीसैदपुर, कृष्णा देवी बेलसंड प्रखंड अध्यक्ष, सुमन मिश्रा प्रवक्ता रुन्नीसैदपुर, जमुखिया देवी, राम कुमारी देवी, सावित्री देवी, रामकली देवी, धर्मी देवी, निर्मला देवी, कौशल्या देवी, नीरू देवी, सुनीता देवी, कलसिया देवी, शर्मिला खातून आदि उपस्थित थी।

बिहार का अगला मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव होगा : भाई वीरेंद्र।

आर.के.राय/वरिष्ठ पत्रकार

समस्तीपुर, 27 दिसंबर 2024 (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता एवं लोक लेखा समिति के सभापति भाई वीरेंद्र ने आज दावा किया कि अगले वर्ष होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की जीत होगी एवं तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री होंगे। लोक लेखा समिति की बैठक में हिस्सा लेने आए भाई वीरेंद्र ने यह दावा पत्रकारों से बातचीत में किया। उन्होंने कहा कि राजनीति परिस्थितियों का खेल है। इसमें न कोई दोस्त होता है और न कोई दुश्मन। एक सवाल के जवाब में भाई वीरेंद्र ने कहा कि पहले भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमारे साथ रहे है। लालू यादव के साथ उन्होंने राजनीति शुरू की थी। ये लोग जेपी आंदोलन में साथ थे, लेकिन गलती से अन्यत्र चले गए है। एल.एस.

एसई विद्युत ने ओटीएस योजना की समीक्षा कर दिए निर्देश

■ कोंच

विद्युत एसई चंद्रजीत ने ओटीएस योजना की समीक्षा कर विभागीय कर्मियों को जरूरी निर्देश दिये।अधीक्षण अभियंता चंद्रजीत ने मुख्य मार्ग पर स्थित जुझारपुरा सहकारी समिति के बाहर लगाए गए ओटीएस शिविर में पहुंचकर शिविर की व्यवस्था देखी तथा बकायेदार उपभोक्ताओं को योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। बिजली घर पर उन्होंने एसडीओ अनिरुद्ध कुमार मौर्य और जेई अमन पांडेय, अंकित साहनी सहित विभागीय कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र के बकायेदार उपभोक्ता यदि ओटीएस योजना के अंतर्गत पंजीकरण नहीं कराते हैं तो उनके कनेक्शन प्रथक कर दिए जायें। यहां पर उन्होंने अभी तक योजना के अंतर्गत कराये गये पंजीकरण और राजस्व वसूली की समीक्षा की। इस दौरान विभागीय कर्मी मौजूद रहे। बुधवार को कोंच उपखंड क्षेत्र में 98 बकायेदार उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया जबकि 4.30 लाख रुपये राजस्व वसूली की गयी। दर्जनों बकायेदार उपभोक्ताओं के कनेक्शन भी काटे गए। एसडीओ ने बताया की ग्राम घिलौर में करीब 200 कनेक्शन हैं लेकिन आयोजित किए गए शिविर में एक भी बकायेदार उपभोक्ता ने अपना पंजीकरण नहीं कराया है, यदि पंजीकरण कर बकाया राजस्व शीघ्र ही जमा नहीं कराया गया तो गाँव की बिजली आपूर्ति काट दी जाएगी।

घर बुलाकर नाबालिग से की अश्लील हरकत

■ कोंच

नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर घर बुलाकर उसके साथ अश्लील हरकतें करने की घटना में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे दबोच कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के एक मुहल्ला में रहने वाली नाबालिग किशोरी को बीते रोज बुधवार की शाम पड़ोसी युवक निखिल अहिरवार पुत्र अशोक बहला फुसलाकर अपने घर पर ले गया जहाँ उसने किशोरी के अश्लील हरकतें की। कुछ देर बाद किशोरी युवक के चंगुल से छूटकर अपने घर पहुंची जहाँ उसने अपने माता-पिता को पूरी बात बतायी। माता-पिता जब आरोपी के घर पहुंचे तो आरोपी ने उनके साथ गाली गलौज कर पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी जिसके बाद पिता ने घटना की शिकायत कोतवाली पुलिस से की। पुलिस ने आरोपी निखिल के खिलाफ धारा 34, 127ए, 351(2), 352 बीएनएस सहित 9एम/10 पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय का कहना है कि पीड़ित किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया सड़क एवं हाईमास्क लाइट का लोकार्पण

क्षेत्र के विकास मे कोई कोर कसर नही रहेगी- मीनाक्षी

■ कोंच

जिला पंचायत दिरावटी क्षेत्र से सदस्य मीनाक्षी पटेल के प्रयास से ग्राम पनयारा में नवनिर्मित सड़क और सिमिरिया मोड़ पर स्थापित हाईमास्ट लाइट का लोकार्पण करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ घनश्याम अनुरागी ने कहा, मोदी योगी युग में विकास के नए आयाम गढ़े जा रहे हैं। खासतौर पर पिछड़े इलाकों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा कर उन क्षेत्रों को विकास की मुख्य धारा में लाने के सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

जिला पंचायत क्षेत्र दिरावटी के ग्राम पनयारा से ग्राम सिमरिया तक जिला पंचायत द्वारा बनवाई गई सड़क एवं पनयारा बस स्टैंड सिमरिया मोड़ पर जिला पंचायत द्वारा लगाई गई हाईमास्ट लाइट का लोकार्पण जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी द्वारा फीता काटकर किया गया। जिला पंचायत सदस्य मीनाक्षी पटेल के प्रतिनिधि आनंद बाबूजी बोहरा ने जिपं अध्यक्ष का आभार जताते हुए कहा, उनके नेतृत्व में समूचे जनपद में जरूरत के अनुसार बिना किसी भेदभाव के जिस तरह से विकास और निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं उसके लिए वह निश्चित रूप से धन्यवाद के पात्र हैं। इस दौरान प्रलुव्य निरंजन, श्रीकांत पटेल, विजय सिंह निरंजन, डॉ. प्रदीप निरंजन, अखिलेश कुंवरपुरा, डॉ. सरताज, महेंद्र निरंजन सिमरिया, नरेंद्र मास्टर ताहरपुरा, जितेंद्र पटेल प्रधान ताहरपुरा, केके पनयारा, सुशील सविता आदि मौजूद रहे। इसके साथ ही कोंच में पड़री नाका स्थित हुल्का माता मंदिर परिसर में जिला पंचायत द्वारा लगाई गई टिन शेड व नवनिर्मित बैठक स्थान का भी उन्होंने लोकार्पण किया। ब्लॉक प्रमुख पति विनोद वर्मा, सुदेश पड़री, सुरेंद्र पटेल, गुड्डू पटेल, रज्जन पटेल, मंदिर के सेवायत अनिल आदि मौजूद रहे।

सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया अटल जी का 100 वां जन्म दिवस

■ कोंच

पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्व.अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वीं जयन्ती सुशासन दिवस के रूप में मनाई गई।

बूथ अध्यक्ष मुकेश कुशवाहा के आवास पर वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश अग्रवाल एड. की अध्यक्षता एवं विधायक मूलचंद्र निरंजन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित जयंती कार्यक्रम में सर्वप्रथम विधायक सहित उपस्थित सभी पार्टीजनों ने स्व.वाजपेयी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को याद किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि राष्ट्रवाद के गौरव अटल बिहारी बाजपेयी की राष्ट्रभक्ति, विचार और नीतियां हम सभी के लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेंगी। बाजपेयी जी का सम्मान समूचे विश्व भर में था। उन्होंने जीवन में कभी हार नहीं मानी। पं.दीनदयाल और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ मिलकर उन्होंने राष्ट्र को परम वैभव के शिखर पर ले जाने के लिए अपना सर्वस्व जीवन न्यौछावर कर दिया। सुनीलकांत तिवारी केशरीमल तरसौलिया और शंभूदयाल स्वर्णकार ने कहा कि जनसंघ से लेकर भाजपा को ऊंचाई पर ले जाने में वाजपेयी जी का सबसे अहम योगदान है। इस मौके पर जिला मंत्री अंजू अग्रवाल, राजेश्वरी यादव, आशुतोष मिश्रा, अमित उपाध्याय, नरेश कुशवाहा, गौरव तिवारी, नरेश वर्मा, विनोद सोनी, शिवसिंह कुशवाह, मनीष नगरिया, मनीष चौधरी, अवध यादव, रामजी भदौरिया, कृष्णकुमार झा, शैलेन्द्र सर्राफ, बाबूराम पाल, सौरभ पुरवार, दीपक मिश्रा, विक्रम तोमर सभासद, विकास पटेल धनौरा आदि भाजपा नेता कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जयंती पर निकाली गई पदयात्रा

कोंच। अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर पद यात्रा निकाली गयी। पहाड़गाँव चुंगी तिराहे से पदयात्रा की शुरुआत हुई और डाढ़ी नाका तक पदयात्रा की गयी। पदयात्रा में शामिल विधायक मूलचंद्र निरंजन सहित सैंकड़ों पार्टी नेता और कार्यकर्ता हांथों में तिरंगा झंडा थाम कर और प्रेरक स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर आगे बढ़ रहे थे। स्व. अटल बिहारी वाजपेयी अमर रहें, भाजपा जिंदाबाद के नारे कार्यकर्ता लगा रहे थे।

सार समाचार

जापान एयरलाइंस पर साइबर हमला, उड़ानों में देरी

टोक्यो। जापान एयरलाइंस पर बड़ा साइबर हमला हुआ है। इसका असर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ सकता है। जापान एयरलाइंस ने साइबर हमले की पुष्टि की है। द जापान टाइम्स के अनुसार, जापान एयरलाइंस ने गुरुवार को कहा कि सुबह उसके सिस्टम पर साइबर हमला किया गया। सुबह 8:56 बजे इसका पता चला। तकनीकी टीम ने समाधान कर लिया है। साइबर हमले की सूचना के बाद प्रस्थान करने वाली घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए टिकटों की बिक्री अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई।

मशहूर लेखिका बाप्सी सिधवा का अमेरिका में निधन

वॉशिंगटन। दक्षिण एशियाई साहित्य की अग्रणी लेखिका बाप्सी सिधवा का अमेरिका के ह्यूस्टन में निधन हो गया है। बाप्सी सिधवा 86 साल की थीं। बाप्सी सिधवा को उनके प्रतिष्ठित उपन्यास 'आइस कैंडी मैन' के लिए जाना जाता है। बाप्सी सिधवा के परिवार ने उनके निधन की पुष्टि की है। बाप्सी के भाई फिरोज भंडारा ने बताया कि तीन दिनों तक बाप्सी के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बाप्सी का अंतिम संस्कार ह्यूस्टन में किया जाएगा।

कुर्स्क पर यूक्रेन के हमले में चार लोगों की मौत

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध की लपटों से कुर्स्क झुलस रहा है। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि रूस के दक्षिण-पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र के एलजीओवी शहर पर यूक्रेनी हमले में कम से कम चार लोग मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। द मॉस्को टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार, कुर्स्क क्षेत्र के कार्यवाहक गवर्नर अलेक्जेंडर खिनशेटिन ने टेलीग्राम पर लिखा, "प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार यूक्रेनी सशस्त्र बलों की एलजीओवी में की गई बर्बर गोलाबारी में तीन लोगों की जान चली गई।

सीरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति के 20 से अधिक समर्थक मारे गए

दमिश्क। सीरिया में अब अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थकों की जान पर बन आई है। सैन्य संचालन विभाग ने राजधानी दमिश्क, ग्रामीण इलाकों, होम्स, लताकिया और टार्टस के कई इलाकों में अभियान चलाकर असद के 20 से अधिक समर्थकों को मार गिराया और कम से कम 45 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सीरियाई सैन्य संचालन विभाग असद के इन समर्थकों को आतंकवादी मान रहा है। सैन्य संचालन विभाग के करीबी सूत्र ने बताया कि मेजेह 86, रिपब्लिकन गार्ड के आवासों, दमिश्क के डुम्मर प्रोजेक्ट, कुदसाया, अल-हमा और असल अल में सुरक्षा अभियान शुरू किया गया है। सैन्य संचालन विभाग ने वांछित व्यक्तियों और आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए चार दिन का समय दिया था।

बुशरा बीबी को मिली अदालत से राहत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को आज यहां एक स्थानीय अदालत ने बड़ी राहत प्रदान की। अदालत ने उन्हें 26 नवंबर के विरोध प्रदर्शन के संबंधित मामलों में अंतरिम जमानत दे दी। न्यायालय ने प्रत्येक मामले में 50 हजार रुपये के जमानती मुचलके पर उनकी जमानत मंजूर की।

चीन के इस कदम से दुनिया भर की महाशक्तियां सतर्क

चीन ने 10 लाख ड्रोन बनाने का दिया ऑर्डर, दुनिया की बढ़ी चिंता

एजेंसी, बीजिंग

ड्रोन्स का इस्तेमाल आज के युद्धक्षेत्रों में बड़ा बदलाव ला रहा है। सस्ते और आसानी से हथियारों में बदलने वाले ड्रोन्स का उपयोग यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। अब चीन ने भी अपनी सेना को और मजबूत बनाने के लिए बड़े स्तर पर ड्रोन निर्माण का फैसला किया है। चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने घरेलू कंपनी पॉली टेक्नोलॉजी को 10 लाख ड्रोन बनाने का ऑर्डर दिया है। यह ड्रोन 2026 तक तैयार किए जाएंगे।

भारत समेत पड़ोसी देशों की बढ़ी चिंता: चीन के इस कदम से दुनिया भर की महाशक्तियां सतर्क हो गई हैं। भारत जो चीन का पड़ोसी है के लिए यह फैसला चिंता का कारण है। चीन के ड्रोन्स के इस्तेमाल को लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि ये ताइवान जैसे क्षेत्रों में हमले के लिए उपयोग किए जा सकते हैं।

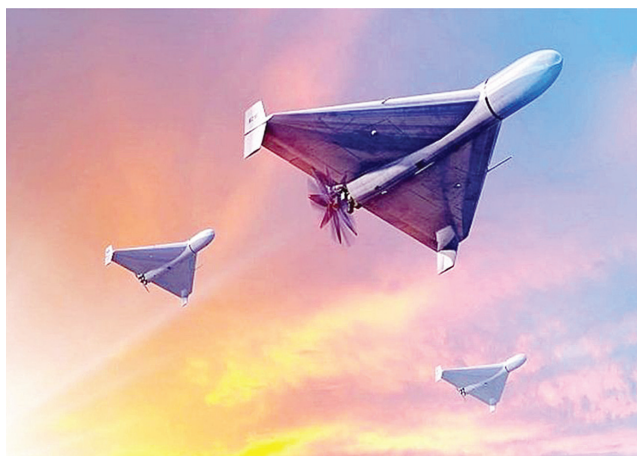

रूस भी बढ़ा रहा है ड्रोन निर्माण

भारत-चीन संबंधों के लिए खास रहा साल 2024, लद्दाख में सैन्य गतिरोध हुआ समाप्त रूस भी ड्रोन निर्माण में पीछे नहीं है। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार रूस हर महीने 40,000 ड्रोन बना रहा है। इसके साथ ही एफपीवी ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली के लिए प्रति माह 5,000 यूनिट का उत्पादन किया जा रहा है। रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने बताया कि नागरिक निर्माताओं की मदद से ड्रोन उत्पादन को तेजी से बढ़ाया गया है।

अमेरीका ने ताइवान को दिए उन्नत ड्रोन

चीन के बढ़ते खतरे को देखते हुए अमरीका ने भी ताइवान को ड्रोन देने का फैसला किया है। इन ड्रोन को 'हेलस्केप' नाम दिया गया है। यह ड्रोन हमले की स्थिति में ताइवान को समय पर जवाबी कार्रवाई का मौका देंगे।

ड्रोन युद्ध में नया मोड़

ड्रोन्स का बढ़ता उपयोग आधुनिक युद्ध का चेहरा बदल रहा है। ये न केवल कम लागत में दुश्मन को नुकसान पहुंचाने में सक्षम हैं बल्कि इनका इस्तेमाल खुफिया जानकारी जुटाने और सटीक हमलों के लिए भी किया जा रहा है। चीन, रूस और अमरीका जैसे देशों द्वारा बड़े स्तर पर ड्रोन निर्माण और उनका उपयोग यह संकेत देता है कि भविष्य के युद्ध में ड्रोन्स अहम भूमिका निभाएंगे। भारत और दुनिया को चीन के इस कदम पर नज़र रखनी होगी क्योंकि इतने बड़े पैमाने पर ड्रोन निर्माण किसी बड़ी रणनीति का हिस्सा हो सकता है।

इजराइल ने गाजा में मीडिया वैन पर किया हमला, पांच पत्रकारों की मौत

एजेंसी, गाजा

इजराइल की तरफ से गाजा सिटी में किए गए एक हमले में पांच पत्रकारों की मौत का दावा किया जा रहा है। गाजा सिटी के एक अस्पताल ने दावा किया है कि अल-अवदा अस्पताल के बाहर खड़े एक प्रेस वाहन पर हुए हमले में सभी पत्रकारों की मौत हुई है। जानकारी के मुताबिक, अल कुद्स टुडे टीवी के वाहन में हमले के वक्त पांचों पत्रकार सो रहे थे। वहीं मौके पर एक पत्रकार ने बताया कि, अयमान अल-जादी, फैसल अबू अल-क्यूमसान, मोहम्मद अल-लादा, इब्राहिम अल-शेख अली और फादी हसौउना नाम के पत्रकार हमले के वक्त प्रेस वाहन में सो रहे थे। इस हमले के बाद सामने आए तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि एक वाहन आग की लपटों में घिरा हुआ है। जिस पर बड़े-बड़े अक्षरों में टीवी और प्रेस लिखा हुआ है। अल कुद्स टुडे टीवी ने इजराइल के इस हमले की निंदा की और कहा कि पांच लोग अपने पत्रकारिता धर्म और मानवीय कर्म को निभाते हुए मारे गए हैं।

सात अक्तूबर से अब तक 141 पत्रकारों की मौत: एक बयान में, इजराइली सेना ने कहा कि उसने नुसेरत के क्षेत्र में 'इस्लामिक जिहाद आतंकवादी सेल' नाम के एक संगठन पर हमला किया। हालांकि, इसने अपने आरोपों के लिए कोई सबूत नहीं दिया। वहीं अमेरिका में मौजूद गैर-लाभकारी समूह, कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (सीपीजे) ने कहा है कि पिछले साल सात अक्तूबर से गाजा, इजराइल, वेस्ट बैंक और लेबनान में कम से कम 141 पत्रकार और मीडियाकर्मी मारे गए हैं, सीपीजे की तरफ से 1992 में आंकड़ा एकत्र करना शुरू करने के बाद से यह पत्रकारों के लिए सबसे घातक समयावधि है।

कुछ दिन पहले अल जजीरा के पत्रकार की हुई थी मौत

सीएनन ने बताया, इन सभी 141 पत्रकारों में से 133 फलस्तीनी थे, जो इस संघर्ष को कवर करने की कोशिश करते मारे गए। इस महीने की शुरुआत में, गाजा में हवाई हमले में अल जज़ीरा के एक फोटो पत्रकार की मौत हो गई थी। घायलों का इलाज करने वाले अल-अवदा अस्पताल के अनुसार, गाजा के नुसेरत कैंप क्षेत्र में नागरिक सुरक्षा सेवा के एक कार्यालय को निशाना बनाकर किए गए हमले में अहमद अल-लौह और चार अन्य लोग मारे गए।

इजराइली सेना कहा– अल–लौह एक 'आतंकवादी' था

अल जजीरा ने इस हमले की निंदा की और कहा कि अल-लौह की 'क्रूरतापूर्वक हत्या' की गई, जब वह एक परिवार को बचाने के लिए सिविल डिफेंस के प्रयास को कवर कर रहा था, जो पहले हुए बम विस्फोट में घायल हो गया था। जबकि इजराइली सेना ने कहा कि उसने सिविल डिफेंस कार्यालयों को 'सटीक हमले' में निशाना बनाया और कहा कि इस साइट का इस्तेमाल हमास की तरफ से 'कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर' के रूप में किया जा रहा था। इसने आगे कहा कि अल-लौह एक 'आतंकवादी' था, जो पहले इस्लामिक जिहाद के साथ काम कर चुका था। आईडीएफ ने अपने आरोपों के लिए कोई सबूत साझा नहीं किया।

हूती विद्रोहियों ने तेल अवीव पर मिसाइल और ड्रोन से किया हमला, 16 घायल

यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार को दावा किया कि उन्होंने इजराइल पर एक बैलिस्टिक मिसाइल और दो ड्रोन हमले किए, जिसमें 16 लोग घायल हो गए। हालांकि इजराइल की सेना ने बयान जारी कर कहा कि उसने मिसाइल को रोक दिया और गाजा पट्टी के पास दक्षिणी इजराइल में सायरन बजने के बाद एक ड्रोन खुले इलाके में गिर गया। बता दें कि यह हमला तेल अवीव पर किए गए हालिया हमले के कुछ दिनों बाद हुआ। मामले में हूती सेना ने एक बयान में कहा कि उनके ड्रोन बलों ने इजराइल के वाणिज्यिक केंद्र तेल अवीव और दक्षिणी शहर अश्कलोन को निशाना बनाकर दो सैन्य हमले किए। मिसाइल का भी लक्ष्य तेल अवीव था, लेकिन इजराइल ने कहा कि उसे इजराइल के क्षेत्र में घुसने से पहले ही मार गिराया गया। हूती सेना ने हमले में इस्तमाल मिसाइल को लेकर कहा कि इस हमले में हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल, फलस्तीन 2 का इस्तेमाल किया गया था।

हूती विद्रोही बार-बार इजराइल को बना रहे निशाना: ईरान समर्थित हूती विद्रोही पिछले एक साल से ज्यादा समय से गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से फिलिस्तीनियों के समर्थन में इजराइल पर बार-बार मिसाइलें दाग चुके हैं। हालांकि, ज्यादातर मिसाइलों को इजराइल ने रोक लिया है, लेकिन शनिवार को हुए एक हमले में तेल अवीव में 16 लोग घायल हो गए थे। इसके बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी थी कि वे हुथियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। एक वीडियो बयान में कहा हम हुथियों के खिलाफ बल, दृढ़ संकल्प और परिष्कार के साथ कार्रवाई करेंगे।

अटकलों पर भड़की पुतिन सरकार ने चेताया

रूसी मिसाइल की वजह से हुआ कजाखस्तान विमान हादसा

एजेंसी, मास्को

कजाखस्तान में हुए विमान हादसे को लेकर कई समाचार रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अजरबैजान एयरलाइंस का विमान बाकू से रूस के ग्रोज्नी जाते समय संभवतः 'गलती से' रूसी मिसाइल का शिकार हुआ था। बता दें कि इस विमान में सवार 67 लोगों में से 38 लोगों की मौत हो गई है। कुल 62 यात्री और पांच चालक दल के सदस्यों में सिर्फ 29 जिंदा बचे हैं। वहीं रूसी सरकार क्रेमलिन ने गुरुवार को इस बात पर अटकलें लगाने से आगाह किया कि अजरबैजान एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने का क्या कारण हो सकता है। दरअसल, एक विमानन विशेषज्ञ ने कहा था कि सबूतों से संकेत मिलता है कि यात्री विमान रूसी एंटी मिसाइल का शिकार हुआ होगा।

युद्ध प्रभावित क्षेत्र में उड़ रहा था विमान! यह भी बताया जा रहा है कि अजरबैजान एयरलाइंस का विमान उस क्षेत्र में उड़ रहा था, जहां यूक्रेन के ड्रोन गतिविधि की सूचना मिली थी, और ग्रोज्नी - चेचन्या की राजधानी और कीव के लिए एक प्रमुख लक्ष्य है। वहीं रूसी सैन्य ब्लॉगर ने बताया कि विमान के मलबे (तस्वीरों) में जो छेद देखे गए हैं, वे 'एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम' से हुए नुकसान के समान हैं।

दुर्घटना के कारणों की जांच जारी: दिमित्री पेस्कोव

इस मामले में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है। विमान हादसे के जांच के निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले कोई भी परिकल्पना करना गलत होगा, और हम निश्चित रूप से ऐसा नहीं कर सकते और किसी को भी ऐसा नहीं करना चाहिए।' एम्ब्रेयर 190 विमान बुधवार को अजरबैजान की राजधानी बाकू से रूस के चेचन्या के ग्रोज्नी जाते समय कजाखस्तान के शहर अक्ताउ के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अजरबैजान एयरलाइंस के अनुसार, विमान ने अक्ताउ से लगभग 1.8 मील की दूरी पर आपातकालीन लैंडिंग करने का प्रयास किया, लेकिन इसके बजाय वह जमीन से टकराया, जिसके बाद उसमें आग लग गई और विमान दो टुकड़ों में टूट गया।

विपक्षी पार्टी ने संसद में पेश किया प्रस्ताव

दक्षिण कोरिया: अब कार्यवाहक राष्ट्रपति हान पर चलेगा महाभियोग

एजेंसी, सियोल

दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी अब कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लेकर आई है। गुरुवार को संसदीय सत्र के दौरान विपक्षी पार्टी ने प्रस्ताव पेश किया। मुख्य विपक्षी पार्टी ने यह प्रस्ताव कार्यवाहक राष्ट्रपति के न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर लिए गए फैसले के बाद उठाया है। कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने अपने फैसले में कहा था कि जब तक विपक्षी दल राजनीतिक समझौते पर सहमत नहीं हो जाते, तब तक सांविधानिक कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं की जाएगी। वहीं विपक्षी दल का कहना है कि अगर कार्यवाहक राष्ट्रपति न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं करेंगे तो हम उनके खिलाफ महाभियोग चलाएंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी अब इस प्रस्ताव पर सदन में मतदान कराएगी। क्योंकि महाभियोग प्रस्तुत किए जाने के 24 से 72 घंटे के भीतर मतदान कराया जाना जरूरी है। विपक्षी पार्टी के प्रवक्ता यूं जोंग-कुन ने कहा कि इस महाभियोग कारण यह है कि हान देश में महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक येओल व उनकी पत्नी के खिलाफ विपक्ष द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वतंत्र जांच की मंजूरी नहीं दे पाए। सांसदों ने सर्व सम्मति से निर्णय को अपनाया और प्रस्ताव को संसदीय सत्र में पेश किया गया। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सूक योल के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पारित हो चुका है। इसके बाद उनको पद से हटा दिया गया था। उनके खिलाफ 204 वोट पड़े, जबकि उनके समर्थन में सिर्फ 85 वोट डाले गए। संसद में राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित होने के बाद उनकी शक्तियां तत्काल रूप से निलंबित हो गईं। अब प्रधानमंत्री हान डक-सू कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में काम कर रहे हैं। अब, सांविधानिक न्यायालय के पास यह तय करने के लिए 180 दिनों का समय है कि यून को राष्ट्रपति पद से हटाया जाए या उनकी शक्तियां बहाल की जाएं।

प्रथम विश्व युद्ध के संघर्ष विराम में भारतीय सैनिकों की थी अहम भूमिका

लंदन। एक ब्रिटिश इतिहासकार ने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों की भागीदारी का एक और अहम सबूत खोजा है। उन्हें 1914 के क्रिसमस युद्ध विराम में भारतीय सैनिकों को दिए गए मसाले के डिब्बे मिले हैं। ये मसाले के डिब्बे राजा जॉर्ज पंचम की 17 साल की बेटी राजकुमारी मैरी के दिए गए क्रिसमस तोहफे की योजना का हिस्सा थे। इतिहासकार और गोल्डस्मिथ यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के प्रोफेसर पीटर डॉयल ने पाया कि ये डिब्बे भारतीय सैनिकों के लिए क्रिसमस के खास तोहफे थे जो जर्मन सैनिकों के पास पहुंच गए थे। युद्ध विराम के दौरान सैनिकों ने युद्ध क्षेत्र पार करके एक-दूसरे से हाथ मिलाए और तोहफे साझा किए और यहां तक कि फुटबॉल खेला। प्रोफेसर पीटर के नए शोध से पता चला है कि ये मसाले के डिब्बे जर्मन सैनिकों के हाथों में आ गए थे, जब 110 साल पहले पश्चिमी मोर्चे पर शांति थी और सैनिक नो मैन्स लैंड को पार कर हाथ मिलाने, उपहार देने और फुटबॉल खेलने के लिए जा रहे थे।

अग्निशमन कर्मचारी की मौत

बांग्लादेश के सचिवालय में लगी भीषण आग, सरकारी दस्तावेज जलकर खाक

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आज तड़के बांग्लादेश सचिवालय की बिल्डिंग नंबर-7 में आग बुझाने के दौरान हुए हादसे में एक अग्निशमन कर्मचारी की जान चली गई है। इस बिल्डिंग में रात करीब 1:52 बजे आग लग गई थी। आग बुझाने में करीब लगभग छह घंटे का वक्त लगा। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र ने अग्निशमन सेवा के अधिकारियों के हवाले से खबर दी कि अग्निशमन कर्मियों ने सुबह 8:05 बजे आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। सूचना मिलते ही अग्निशमन सेवा कर्मी दो मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार, जान गंवाने वाले अग्निशमन कर्मी का नाम मोहम्मद सोहनूर जमान नोयोन है। रंगपुर के मीठापुकुर उपजिला के रहने वाले नोयोन तेजगांव स्टेशन में पदस्थ थे। अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा महानिदेशक ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद जाहेद कमाल ने कहा कि मोहम्मद सोहनूर पानी के पंप की लाइनों को जोड़ने के लिए सड़क पार कर रहे थे। तभी उन्हें ट्रक ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल नोयोन को ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कमाल के अनुसार, बिल्डिंग की पांचवीं, छठी, सातवीं और आठवीं मंजिल को काफी नुकसान हुआ है।

कर्मचारी अब हर कमरे में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि आग के सभी अवशेष बुझ गए हैं। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। अग्निशमन सेवा प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल जाहिद कमाल ने कहा, कल आधीरात के बाद (इमारत के) तीन स्थानों पर एक साथ आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के बाद बिजली गुल हो गई, जिसके कारण अन्य मंत्रालयों को भी अपना काम रोकना पड़ा।

इमीग्रेशन एंट्री को लेकर नियमों में किया बदलाव

भारतीय पेशेवरों को ट्रूडो सरकार ने दिया एक और झटका

एजेंसी, ओटावा

कनाडा जाकर नौकरी करने की चाह रखने वाले भारतीय पेशेवरों को कनाडा की ट्रूडो सरकार ने बड़ा झटका दिया है। दरअसल कनाडा की सरकार ने अपने एक्सप्रेस इमीग्रेशन सिस्टम में बड़ा बदलाव किया है। इसमें उम्मीदवारों की योग्यता निर्धारित करने वाले कॉमप्रेहेंसिव रैंकिंग सिस्टम के नियमों को बदला गया है। नए नियमों के तहत अब उम्मीदवारों को नौकरी का ऑफर मिलने के लिए कोई अतिरिक्त अंक नहीं दिए जाएंगे। नए नियम साल 2025 में लागू हो जाएंगे।

किन लोगों पर होगा इस बदलाव का असर

कॉमप्रेहेंसिव रैंकिंग सिस्टम में बदलाव का असर उन लोगों पर पड़ेगा, जो एक्सप्रेस एंट्री सिस्टम के तहत कनाडा में स्थायी तौर पर बसने का इरादा रखते हैं। ये नियम उन लोगों पर भी लागू होंगे, जो पहले से ही कनाडा में अस्थायी तौर पर काम कर रहे हैं। कनाडा की सरकार ने कहा है कि 'जब नए नियम लागू हो जाएंगे तो वे नौकरी की पेशकश पाने वाले उम्मीदवारों के साथ ही, जो नए उम्मीदवार पूल में आ रहे हैं, उन पर भी लागू होंगे।' हालांकि नए नियम उन उम्मीदवारों को प्रभावित नहीं करेंगे जो पहले से ही स्थायी निवास (पीआर) के लिए आवेदन कर चुके हैं। यह उन उम्मीदवारों पर भी लागू नहीं होगा जिन्होंने पहले से ही इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) को पीआर के लिए आवेदन जमा कर दिया है, जिस पर वर्तमान में कार्रवाई की जा रही है।

अवैध आव्रजन को रोकना उद्देश्य

कनाडा सरकार का कहना है कि ये बदलाव अस्थायी हैं और इसका उद्देश्य फर्जी तरीके से कनाडा आने वाले लोगों को रोकना और धोखाधड़ी वाली आव्रजन प्रथाओं पर अंकुश लगाना है। कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने कहा कि 'हम धोखाधड़ी वाले आव्रजन पर रोक लगाकर स्किल कार्यबल को कनाडा आने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, ताकि हमारे देश की अर्थव्यवस्था बेहतर हो।' उन्होंने कहा कि 'आव्रजन हमेशा से ही कनाडा की सफलता का अहम हिस्सा रहा है और हम आगे भी टैलेंटेड पेशेवरों को कनाडा लाना पसंद करेंगे ताकि हर किसी को अच्छी नौकरी, घर और वो मदद मिल सके, जिसे वो चाहते हैं।'

यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा

जेलेंस्की को हथियारों की आपूर्ति करते रहेंगे: बाइडन

एजेंसी, वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार को यूक्रेन पर हुए रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने यूक्रेन के प्रति अमेरिका के मजबूत समर्थन की पुष्टि की, जिसको लेकर बाइडन ने कहा कि अमेरिकी रक्षा विभाग यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति बढ़ाएगा और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से यूक्रेन के साथ खड़ा होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि क्रिसमस की रात में, रूस ने यूक्रेनी शहरों और ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर मिसाइलें और ड्रोन दागे। इसका उद्देश्य ठंड के दौरान यूक्रेनी लोगों को गर्मी और बिजली से वंचित करना था और उनके पावर ग्रिड की सुरक्षा को खतरे में डालना था। बता दें कि क्रिसमस की रात रूस ने यूक्रेनी शहरों और वहां के बुनियादी ढांचे पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। इस हमले में दक्षिणी यूक्रेन में एक व्यक्ति की मौत हो गई, तीन घायल हो गए और पूरे देश में ऊर्जा बुनियादी ढांचे को नुकसान हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिकी रक्षा विभाग से यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति जारी रखने का अनुरोध किया है।

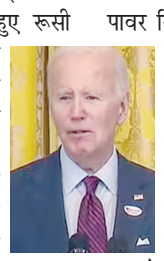

संपादकीय

आप और कांग्रेस में टकराव

क्या कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के टकराव से इंडिया गठबंधन की एकता पर खतरा मंडराने लगा है। अभी चार महीने पहले लोकसभा चुनाव में एक-दूसरे के लिए प्रचार करने वाले आप और कांग्रेस के नेता आमने-सामने आ गए हैं। दरअसल दिल्ली में कांग्रेस नेता अजय माकन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल को फर्जीवाल कह दिया था। उन्होंने 12 सूत्रीय 'श्वेत पत्र' जारी करते हुए कहा था कि केजरीवाल उन स्कीमों के जरिये लोगों को धोखा दे रहे हैं, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है। इस बयान के बाद ही आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेता आमने-सामने आ गए। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह कांग्रेस पर हमलावर हो गए। दोनों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कांग्रेस पर अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों में बीजेपी की मदद करने का आरोप लगाया। संजय सिंह ने तो यहां तक कह दिया कि मैं कांग्रेस से अपील करता हूं कि वह 24 घंटे के अंदर अजय माकन के खिलाफ कार्रवाई करे नहीं तो हम 'इंडिया' गठबंधन के दलों को कांग्रेस को इससे निकालने के लिए कहेंगे। ठीक चुनाव से पहले इस तरह का टकराव किसकी मदद करेगा? जाहिर है, इससे भाजपा को फायदा होगा। कांग्रेस को समझना होगा कि दिल्ली में उसका कोई वजूद नहीं बचा है। अरविंद केजरीवाल की योजनाओं से निम्न वर्ग को बहुत फायदा हो रहा है। भले ही निम्न वर्ग का वोट लोकसभा में भाजपा को जाता हो, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव में उसकी पहली पसंद अरविंद केजरीवाल हैं। इसलिए अभी न तो भाजपा और न ही कांग्रेस के लिए अरविंद केजरीवाल का वर्चस्व तोड़ना आसान है। आप और कांग्रेस के इस टकराव से भाजपा विरोधियों को धक्का लगा होगा, जो चाहते थे कि आप और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ें। अब लगता है, किसी तरह के गठबंधन की गुंजाइश ही खत्म हो गई है। हालांकि कुछ राजनीतिक विश्लेष्कों का मानना है कि कांग्रेस यूपी में एसपी और बीएसपी, बिहार में आरजेडी और और तमिलनाडु में द्रमुक को समर्थन देकर सहायक भूमिका निभा चुकी है, लेकिन इससे उसे कोई फायदा नहीं हुआ। फायदा तो लोकसभा चुनाव में आप से गठबंधन करने से भी नहीं हुआ था। ऐसा लगता है कि कांग्रेस अब एकला चलो की नीति पर चलना चाहती है। संभवतः कांग्रेस दिल्ली में एकला चलो की नीति पर चल कर प्रयोग करना चाहती है।

आप और कांग्रेस के टकराव से भाजपा विरोधियों को धक्का लगा होगा, जो चाहते थे कि दोनों मिलकर चुनाव लड़ें। लगता है अब गठबंधन की गुंजाइश ही खत्म हो गई है।

पाठकवाणी

मुद्दों पर राजनीति करें राजनेता

आए दिन देश की राजनीति का परिदृश्य दिशा भटकता नजर आ रहा है। न राज है, न नीति है। आरोप प्रत्यारोप की राजनीति में मूलभूत मुद्दों की अनदेखी कर जनता जनार्दन को ठगा जा रहा है। जनता जनार्दन की भावनाएं जब आहत होती हैं, नेता मंत्री मुद्दों पर राजनीति न करके एक दूसरे की टांग खींचने के आरोप लगाने और नीचा दिखाने में अपना समय व्यतीत कर देते हैं। 5 वर्ष के अवधि में ऐसा कुछ करना ही नहीं करना चाहते की इन्हें पुनः जनता चुने। क्या यह राजनीति है? मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी कर दिशा बदलती राजनीति का जिम्मेदार कौन? उचित शिक्षा, स्वास्थ लाभ और कई ऐसे मुद्दे हैं, जो मध्यम वर्ग और मजदूर वर्ग के जीवन से जुड़े हैं। पर कोई आवाज, आभियान नहीं। आमजन की पीड़ा सिसकियों में रहकर सिमट जाती है। आखिर उनका मत का सही फायदा हो रहा या नहीं। कुछ भी हो, राजनेताओं मंत्रियों को जनता के मूलभूत सुविधाओं और मुद्दों पर राजनीति करनी चाहिए। जनता जनार्दन तक योजनाओं का लाभ मिले ऐसी कारगर रणनीति तैयार करनी चाहिए। आपसी पूर्वाग्रह की परिस्थिति से बाहर निकल कर समाज, राष्ट्र के विकास द्वार खोलने चाहिए। तभी राजनीति समाज में राष्ट्र में असरकारक होंगी। क्या हमारे राजनेता आरोप प्रत्यारोप की राजनीति त्याग कर जनता जनार्दन को मूल भूत लाभ पहुंचाने की राजनीति करेंगे?

-योगेश जोशी, बड़वाह

कुछ खास

संघियों और भाजपाइयों को 'जय सियाराम, जय सीताराम' के नाम एवं नारे से शुरू ही नफरत है क्योंकि उसमें माता सीता का जयकारा है। ये लोग शुरू से ही महिला विरोधी हैं तथा 'जय श्री राम' के नारे के साथ आधी आबादी महिलाओं का भी अपमान करते हैं।

-लालू प्रसाद यादव, पूर्व रेल मंत्री

आज का ट्वीट

''हिंदू रामनवमी के दिन मस्जिद के सामने नाचते हैं, क्रिसमस के दिन चर्च के सामने नाचते हैं। केंद्र सरकार इस पर कुछ नहीं करती। क्यों कुछ कार्रवाई नहीं करती?''

-स्वाति मिश्रा

सामयिक

परीक्षा की पारदर्शिता पर सवाल

शाहीन सबा

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा आयोजित प्रारंभिक 70 वीं (पीटी) परीक्षा को लेकर बिहार में बड़े पैमाने पर छात्रों का आक्रोश उभर कर सामने आया है। इस परीक्षा को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब 13 दिसंबर को आयोजित परीक्षा में व्यापक गड़बड़ियों की शिकायतें सामने आईं। परीक्षा से संबंधित प्रश्नपत्रों के लीक होने और परीक्षा केंद्रों पर अव्यवस्थाओं के आरोपों ने इस पूरी प्रक्रिया को कटघरे में खड़ा कर दिया। इसके बाद आयोग ने विवादित परीक्षा को रद्द करने के बजाय 4 जनवरी को परीक्षा पुनः आयोजित करने का निर्णय लिया। इस फैसले ने पहले से ही असंतुष्ट छात्रों के आक्रोश को और भड़का दिया।

छात्रों का कहना है कि एक ही परीक्षा को अलग-अलग तारीखों पर आयोजित करना पूरी तरह से अनुचित है। इससे परीक्षा की निष्पक्षता और वैधता पर सवाल खड़े होते हैं। आयोग के इस निर्णय ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हजारों छात्रों के भविष्य को अंधकारमय बना दिया है। छात्रों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करने के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन का सहारा लिया, लेकिन उनकी आवाज को प्रशासन ने बर्बरतापूर्वक दबाने की कोशिश की। पटना में आयोग के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिसमें 40 से अधिक छात्र घायल हुए और आठ को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इनमें महिलाएं भी शामिल थीं।

13 दिसंबर को आयोजित परीक्षा में हुई गड़बड़ियों को लेकर छात्रों का गुस्सा जायज है। परीक्षा के दौरान कई परीक्षा केंद्रों पर पेपर लीक होने की खबरें आईं, लेकिन आयोग ने इन शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया। इसके बजाय, उसने परीक्षा को दोबारा आयोजित करने का फैसला लिया। छात्रों का कहना है कि 4 जनवरी को होने वाली परीक्षा में प्रश्नों का स्तर अलग हो सकता है, जिससे पहले परीक्षा में शामिल छात्रों के साथ अन्याय होगा। सवाल यह भी उठता है कि आयोग ने परीक्षा को रद्द किए बिना नए सिरे से परीक्षा आयोजित करने का निर्णय क्यों लिया। यह फैसला आयोग की कार्यप्रणाली और परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। छात्रों का तर्क है कि यदि एक ही परीक्षा के लिए दो बार अलग-अलग प्रश्नपत्र बनाए जाएंगे, तो मेरिट सूची तैयार करने में भेदभाव की संभावना बढ़ जाएगी। परीक्षा का कठिनाई स्तर अलग-अलग होने से परिणाम भी असमान होंगे। यह एक ऐसा मुद्दा है जो न केवल परीक्षा में शामिल छात्रों के भविष्य को प्रभावित करेगा, बल्कि आयोग की साख और उसकी कार्यप्रणाली पर भी गहरा प्रभाव डालेगा।

इस पूरे प्रकरण में सबसे ज्यादा चिंता का विषय यह है कि सरकार और आयोग ने अब तक छात्रों की शिकायतों पर कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं दी है। छात्रों का कहना है कि वे न्याय के लिए लड़ रहे हैं, लेकिन उनकी बातों को सुनने के बजाय उन पर बल प्रयोग किया जा रहा है। पटना में हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने छात्रों पर लाठियां बरसाईं, उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। यह कार्रवाई न केवल छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है, बल्कि यह सरकार और प्रशासन की तानाशाही प्रवृत्ति को भी उजागर करता है। पुलिस की बर्बरता ने छात्रों के आंदोलन को और तेज कर दिया है। अब यह आंदोलन केवल परीक्षा को लेकर नहीं रह गया है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता और न्याय की मांग के लिए एक व्यापक संघर्ष बन चुका है। छात्रों का कहना है कि वे अपने हक के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। कई छात्रों ने सोशल मीडिया पर अपनी आवाज बुलंद की है और इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की मांग की है।

यह मामला केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है। यह पूरे देश में शिक्षा व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता का अभाव लंबे समय से एक गंभीर समस्या रहा है। परीक्षा प्रक्रियाओं में गड़बड़ी और प्रशासन की उदासीनता ने हजारों छात्रों के भविष्य को दांव पर लगा दिया है। बीपीएससी का यह विवाद इस समस्या का ताजा उदाहरण है। छात्रों का यह भी कहना है कि 13 दिसंबर को हुई परीक्षा में लगभग 12,000 उम्मीदवार शामिल हुए थे। ऐसे में यदि 4 जनवरी को पुनः परीक्षा आयोजित की जाती है, तो यह परिणाम को प्रभावित करेगा। छात्रों का सवाल है कि क्या आयोग इस बात की गारंटी दे सकता है कि नई परीक्षा में सभी को समान अवसर मिलेगा? यदि नई परीक्षा में प्रश्न आसान हुए, तो यह 13 दिसंबर की परीक्षा में शामिल छात्रों के साथ अन्याय होगा।

सरकार और आयोग को यह समझना चाहिए कि छात्रों का यह आंदोलन केवल उनके भविष्य को लेकर नहीं है। यह एक ऐसी प्रणाली के खिलाफ आवाज उठाने का प्रयास है, जो अपनी गलतियों को स्वीकार करने के बजाय उन्हें छिपाने की कोशिश करती है। छात्रों का कहना है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। यह संघर्ष केवल बिहार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन सकता है।

इस पूरे प्रकरण में मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। जहां कुछ मीडिया संस्थानों ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया, वहीं कुछ ने इसे प्रशासन के पक्ष में हल्का दिखाने की कोशिश की। छात्रों का कहना है कि उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वे अपने हक के लिए लड़ते रहेंगे। सरकार और आयोग को इस समस्या का समाधान निकालने के लिए तत्पर होना चाहिए। छात्रों की मांगें पूरी तरह जायज हैं और उन्हें नजरअंदाज करना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि यह देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को भी ठेस पहुंचाएगा। आयोग को परीक्षा की प्रक्रिया की जांच करानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इसके साथ ही, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। इस विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को दबाना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि यह समाज के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ भी है। छात्रों का यह संघर्ष उनके अधिकारों के लिए है, और इसे हल्के में लेना सरकार और प्रशासन की बड़ी भूल होगी। अगर इस समस्या का समाधान जल्द नहीं निकाला गया, तो यह आंदोलन और बड़ा रूप ले सकता है, जो सरकार के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

छात्रों का यह आंदोलन न्याय और पारदर्शिता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह संघर्ष यह साबित करता है कि देश के युवा अपने अधिकारों के लिए खड़े होने से नहीं हिचकते। अब यह सरकार और आयोग पर निर्भर करता है कि वे इस मुद्दे को कितनी गंभीरता से लेते हैं।

छात्रों का यह आंदोलन न्याय और पारदर्शिता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह संघर्ष यह साबित करता है कि देश के युवा अपने अधिकारों के लिए खड़े होने से नहीं हिचकते। अब यह सरकार और आयोग पर निर्भर करता है कि वे इस मुद्दे को कितनी गंभीरता से लेते हैं।

मनमोहन सिंह का निधन- प्रोफेसर से योजना आयोग अध्यक्ष,आरबीआई गवर्नर तक- वित्त मंत्री से प्रधानमंत्री तक निर्विवाद पारदर्शी नेतृत्व

››› पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन की खबर से देश-विदेश से अश्रुपूर्ण श्रृद्धाजंलियों का सैलाब उमड़ा-7 दिन का राष्ट्रीय शोक- सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द

››› दिवंगत पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को सैल्यूट- देश को आपूर्णिय छति- दिवंगत आत्मा की शांति के लिए अंतिम अरदास- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया- वैश्विक स्तरपर 26 दिसंबर 2024 को रात्रि करीब 10 बजे दुनियाँ का सबसे अलग अभूतपूर्व छवि के धनी, बेदांग व पारदर्शी व्यक्तित्व के रूप में प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से एक भारतीय पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन की खबर सुनकर पूरी दुनियाँ आवक रह गई। एम्स से जारी बुलेटिन के अनुसार रात्रि 9.51 बजे उनका निधन हुआ जो रात्रि 8.02 को एम्स में भर्ती हुए थे परंतु डॉक्टरों के भूतपूर्व प्रयास के बावजूद उन्हें नहीं बचाया जा सका जो कि 92 वर्ष की उम्रदराज अस्वस्थता की बीमारी से ग्रस्त थे। निधन की सूचना प्राप्त होते ही राष्ट्रपति से लेकर उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री से लेकर पूरे केंद्रीय मंत्रियों व विपक्षी पार्टियों से लेकर आम आदमीयों तक का श्रृद्धाजंलियों का सैलाब उमड़ पड़ा सरकार ने भी तत्परता दिखाते हुए सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द करते हुए 7 दोनों का राष्ट्रीय शोक की घोषणा करने में देर नहीं लगाई व 28 सितंबर सुबह 11 बजे केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर शोक प्रस्ताव पारित करने की खबरें आ रही है, तो कांग्रेस ने भी अपने सभी कार्यक्रम 7 दिनों के लिए रद्द कर दिए हैं। इधर तेलंगाना सरकार सहित कुछ ने सरकारी कार्यालय व शैक्षणिक संस्थाएं शुक्रवार 27 दिसंबर 2024 को बंद रखने व 7 दोनों का राष्ट्रीय शोक मनाने का आदेश पारित किया है। उनके पार्थिव शरीर को 3 जनपद उनके निवास स्थान पर लाया गया है। उधर स्वास्थ्य मंत्री व एम्स के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी सबसे पहले एम्स पहुंचे हुए पूरी प्रक्रियाओं की देखरेख की व पारिवारिक सदस्यों से परामर्श के बाद पार्थिव शरीर को उनके 3 जनपद रोड रवाना किया गया क्योंकि पूर्व पीएम के निधन से देश को अपूर्णिय क्षति हुई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, दिवंगत पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को सैल्यूट,देश को अपूर्णिय छति-दिवंगत आत्मा की शांति के लिए अंतिम अरदास। साथियों बात अगर हम पूर्व पीएम के निधन की करें तो, आर्थिक सुधारों के प्रणेता पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात यहां निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। एम्स दिल्ली ने सिंह के निधन की घोषणा की, उन्हें गंभीर हालत में रात करीब साढ़े आठ बजे आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया था।पूर्व पीएम के निधन की जानकारी देते हुए एम्स अस्पताल ने बयान जारी किया है।अस्पताल ने कहा कि उन्हें 26 दिसंबर की शाम को ही उस वक्त लाया गया, जब वह घर में बेहोश होकर गिर गए थे। उन्हें घर पर ही प्राथमिक इलाज दिया गया और फिर एम्स कीइमरजेंसी में लाया गया। उन्हें सभी प्रयासों के बाद भी बचाया नहीं जा सका और रात को 9:51 पर उनका निधन हो गया। वह लंबे समय से आयु जनित बीमारियों से जूझ रहे थे। एक अर्थशास्त्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री के पद पर आसीन होकर उन्होंने देश की सेवा की थी. रिजर्व बैंक के गवर्नर जैसे पद पर रहे डॉ मनमोहन सिंह केंद्रीय वित्त मंत्री के रूप में आर्थिक संकट से जूझते देश को नई आर्थिक नीति का उपहार दिया और प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए उदारवादी आर्थिक नीति को बढ़ावा दिया और देश की अर्थव्यवस्था को नई उड़ान दी। साथियों बात अगर हम पूर्व पीएम के साधारण पारिवारिक बैकग्राउंड व शिक्षण करियर की करें तो, वे साल 2004 से 2014 तक भारत के पीएम रहे। वह पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और पीएम नरेंद्र मोदी के बाद चौथे सबसे लंबे समय तक इस पद पर रहें, डॉ मनमोहन सिंह भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री थे। वो जवाहरलाल नेहरू के बाद पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद फिर से चुने जाने वाले पहले प्रधान मंत्री भी थे.डॉ मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को गाह, पंजाब, ब्रिटिश भारत (अब पंजाब, पाकिस्तान) में एक सिख परिवार में

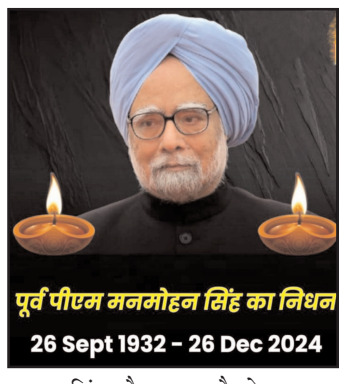

गुरमुख सिंह और अमृत कौर के घर हुआ था. जब वह बहुत छोटे थे, तब उनकी मां की मृत्यु हो गई थी,उनकी नानी ने उनका पालन-पोषण किया और वह उनसे बहुत करीब थी। साल 1947 में विभाजन के समय उनका परिवार भारत आ गया था, भारत के विभाजन के बाद, उनका परिवार हल्द्वानी, भारत में चला गया,1948 में वे अमृतसर चले गए, जहां उन्होंने हिंदू कॉलेज, अमृतसर में अध्ययन किया, उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय, फिर होशियारपुर में अर्थशास्त्र का अध्ययन किया और 1952 और 1954 में क्रमशः स्नातक और मास्टर डिग्री प्राप्त की, अपने शैक्षणिक जीवन में प्रथम स्थान पर रहे।उन्होंने 1957 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में अपना अर्थशास्त्र ट्रिपोस पूरा किया. वे सेंट जॉन्स कॉलेज के सदस्य थे.डी फिल. पूरा करने के बाद सिंह भारत लौट आए। वे 1957 से 1959 तक पंजाब विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के वरिष्ठ व्याख्याता रहे। साल 1959 और 1963 के दौरान,उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र में रीडर के रूप में काम किया और 1963 से 1965 तक वे वहाँ अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे।1966 से 1969 तक यूएनसीटीएडी में किया था कामवे 1966 से 1969 तक व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के लिए काम करने चले गए, बाद में, अर्थशास्त्री के रूप में सिंह की प्रतिभा को मान्यता देते हुए ललित नारायण मिश्रा ने उन्हें विदेश व्यापार मंत्रालय का सलाहकार नियुक्त किया।1969 से 1971 तक, सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रोफेसर रहे ऑक्सफोर्ड से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने के बाद डॉ मनमोहन सिंह ने 1966-1969 के दौरान संयुक्त राष्ट्र के लिए काम किया, इसके बाद उन्होंने अपना नौकरशाही करियर तब शुरू किया जब ललित नारायण मिश्रा ने उन्हें वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में सलाहकार के रूप में नियुक्त किया।देश के कई महत्वपूर्ण पदों पर किया था काम1970 और 1980 के दशक के दौरान मनमोहन सिंह ने भारत सरकार में कई प्रमुख पदों पर कार्य किया, जैसे कि मुख्य आर्थिक सलाहकार (1972-1976), रिजर्व बैंक के गवर्नर (1982-1985) और योजना आयोग के प्रमुख (1985- 1987)1972 में, सिंह वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बने और 1976 में वे वित्त मंत्रालय में सचिव 1980- 1982 में वे योजना आयोग में थे, और 1982 में, उन्हें तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर नियुक्त किया गया और 1985 तक इस पद पर रहे.वे 1985 से 1987 तक योजना आयोग (भारत) के उपाध्यक्ष बने. योजना आयोग में अपने कार्यकाल के बाद, वे 1987 से नवंबर 1990 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में मुख्यालय वाले एक स्वतंत्र आर्थिक नीति थिंक टैंक, साउथ कमीशन के महासचिव थे।मनमोहन सिंह नवंबर 1990 में जिनेवा से भारत लौट आए और चंद्रशेखर के कार्यकाल के दौरान आर्थिक मामलों पर भारत के प्रधान मंत्री के सलाहकार के रूप में पद संभाला।मार्च 1991 में, वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष बने.पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में बने थे वित्त मंत्रीसाल 1991 में, जब भारत एक गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा था, नव निर्वाचित प्रधान मंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने गैर-राजनीतिक सिंह को वित्त मंत्री के रूप में अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया, हालांकि ये उपाय संकट को टालने में सफल साबित हुए और वैश्विक स्तर पर सुधारवादी अर्थशास्त्री के रूप में मनमोहन सिंह की प्रतिष्ठा को बढ़ाया, लेकिन 1996 के आम चुनाव में कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन खराब रहा। जून 1991 में, तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिंह राव ने सिंह को अपना वित्त मंत्री चुना.साल 2004 में बने देश के प्रधानमंत्री इसके बाद, 1998-2004 की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान सिंह राज्यसभा (भारत की संसद के ऊपरी सदन) में विपक्ष के नेता थे। 2004 में जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सत्ता में आई, तो इसकी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अप्रत्याशित रूप से प्रधानमंत्री पद सिंह को सौंप दिया. उनके पहले मंत्रालय ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना और सूचना का अधिकार अधिनियम सहित कई प्रमुख कानून और परियोजनाएं क्रियान्वित कीं।2008 में, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक ऐतिहासिक असैन्य परमाणु समझौते के विरोध के कारण वाम मोर्चा दलों द्वारा अपना समर्थन वापस लेने के बाद मनमोहन सिंह की सरकार लगभग गिर गई थी। उनके कार्यकाल के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद, उन्होंने 2014 के भारतीय आम चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री पद की दौड़ से बाहर होने का विकल्प चुना। मनमोहन सिंह कभी भी लोकसभा के सदस्य नहीं रहे, लेकिन उन्होंने 1991 से 2019 तक असम राज्य और 2019 से 2024 तक राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्यसभा के सदस्य के रूप में कार्य किया. मनमोहन सिंह ने 1958 में गुरशरण कौर से शादी की,उनकी तीन बेटियां हैं। साथियों बात अगर हम पूर्व पीएम के राजनीतिक घटनाक्रम की करें तो,1991-अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और पुनर्निर्माण और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंक के लिए भारतके राज्यपाल।1991 केंद्रीय वित्त मंत्री और बाद में राज्यसभा के लिए चुने गए1990 : आर्थिक मामलों पर भारत के प्रधान मंत्री के सलाहकार।1987: महासचिव और आयुक्त, दक्षिण आयोग जिनेवा।1985 : उपाध्यक्ष, योजना आयोग।1985 : अध्यक्ष, भारतीय आर्थिक संघ।1983 : सदस्य, प्रधानमंत्री को आर्थिक सलाहकार परिषद।1982 : भारत के लिए वैकल्पिक गवर्नर, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईएमएफ।1982 : गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक।1980 :अध्यक्ष, भारत-जापान संयुक्त अध्ययन समिति की भारत समिति।1980 : सदस्य-सचिव, योजना आयोग।1976 : सचिव, वित्त मंत्रालय (आर्थिक मामलों का विभाग), भारत सरकार। सदस्य, वित्त परमाणु ऊर्जा आयोग 1991 : अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और पुनर्निर्माण और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंक के लिए भारत के राज्यपाल।1991 : केंद्रीय वित्त मंत्री और बाद में राज्यसभा के लिए चुने गए।1990 : आर्थिक मामलों पर भारत के प्रधान मंत्री के सलाहकार।1987 : महासचिव और आयुक्त, दक्षिण आयोग, जिनेवा।1985 : उपाध्यक्ष, योजना आयोग।1985 : अध्यक्ष, भारतीय आर्थिक संघ।1983 : सदस्य, प्रधान मंत्री को आर्थिक सलाहकार परिषद।1982 : भारत के लिए वैकल्पिक गवर्नर, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईएमएफ।1982 : गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक।1980 : अध्यक्ष, भारत- जापान संयुक्त अध्ययन समिति की भारत समिति।1980 : सदस्य -सचिव, योजना आयोग।1976 : सचिव, वित्त मंत्रालय (आर्थिक मामलों का विभाग), भारत सरकार। सदस्य, वित्त, परमाणु ऊर्जा आयोग।1972 : मुख्य आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय, भारत।1971 : आर्थिक सलाहकार, विदेश व्यापार मंत्रालय, भारत। पूर्व इतिहास1966: उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के लिए काम किया।

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

तीखी नजर

नशामुक्ति केंद्र में पीके धुत

केदार लाल शर्मा

नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के लिए सरकार,समाज, धार्मिक संस्थाएं और परिवार हर कोई चिंतित हैं, सिवाय स्वयं नशा करने वालों के। उधर नशे करने वालों के पास अपने-अपने तर्क हैं। उधर हमारे परिचित एक स्वयंभू मिस्टर पीके धुत गजब के दार्शनिक हैं। वैसे उनका पूरा नाम प्रेमकांत धुत हैं पर वे पीके धुत कहलाना पसंद करते हैं। उनका कहना है कि धन्य हैं हम बंदे, जिनको इस दुःखों से भरे नीरस संसार से वैराग्य हो गया है। नशा करने वाले हम लोग नशा करके इस बात को प्रमाणित करते हैं कि हम उन लोगों से बेहतर हैं, जो इस संसार सागर के बीच के कीच में गहरे फंसे और धंसे हुए हैं। फिर भी बोर नहीं वरन संतुष्टे हैं। आगे धुत साहब कहते हैं मैं नशा कर-के दूसरे संसार में गति कर जाता हूं। गति करके प्रीत के गीत लिखता हूं। नशा शब्द ही ऐसा है कि सीधे लिखो तो नशा है, उल्टा लिख दो शान है। नशा नहीं करने वालों को वे बुरी तरह से लताड़ते हैं-अरे जड़मतियों! कुछ तो गति करो। शर्म करो एक ही स्थिति में रहकर कब तक सड़ते रहोगे?

उनकी दार्शनिकता से परेशान उनकी धर्मपत्नी एक दिन उनको नशामुक्ति केंद्र पर ले गई। उन्होंने समझाया कि महोदय आपकी गति रसातल की ओर है। आज यह रुख रसातल की ओर है कल परलोक की ओर भी होना भी तय है। मिस्टर धुत कहां हार मानने वाले थे। उन्होने उलटे नशामुक्ति वालों को समझाना शुरू किया । उनके अनुसार प्रसिद्ध शायर उमर खय्याम ने कहा है कि-'मैं शराब के बिना जिंदगी नही गुजार सकता और जिस्म का बोझ बर्दाश्त नहीं कर सकता' हरिवंश राय बच्चन ने तो मधुशाला पर पूरा काव्य रच डाला। गालिब ने भी तो यही कहा है-'कर्ज की पीते थे मय लेकिन समझते थे कि हां रंग लाएगी हमारी फाकामस्ती एक दिन।' क्या ये सब शायर पागल थे, जो इन्हाने शराब की तरफदारी की है ?

नशामुक्ति वालों ने समझाया कि महाशय, उन शायरों का मंतव्य शराब की तरफदारी करना नहीं था, बल्कि ध्यार और ईश्वर भक्ति से मिलने वाले अलौकिक आनंद रूपी शराब की ओर इनका इशारा था, जिसके सेवन से अमृत पीने वालों की आत्मा में उतर जाता है। आज शपथ लो कि अब आप भविष्य में नशा नहीं करोगे। इतनी देर में उनकी धर्मपत्नीजी गंगाजल ले आईं और बोली, 'आज तो आपको शपथ लेनी ही पड़ेगी कि आप हमेशा के लिए नशा करना छोड़ दोगे। केवल योग, ध्यान और ईश्वर भक्ति का नशा करोगे। नशा शान नहीं नाश की जड़ है।'

केपी धुत महोदय अपनी हथेली को ऊंचकर बोले-'मैं शपथ लेता हूं कि आज के बाद कभी भी नशा मुक्ति केंद्र पर नहीं आऊंगा।' पत्नी ने सिर पकड़ लिया और बोली-'जाको प्रभु दारुण दुःख देही ताकी मति पहले हर लही।' नशामुक्ति वालों ने कहा-'सियारों की मौत आती है तो वे गांव की ओर रूख करते हैं।'

मेलबर्न टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने बनाई पकड़

चार बल्लेबाजों ने जड़े अर्धशतक, ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन छह विकेट पर बनाए 311 रन

पदार्पण मैच में सैम ने खेली अर्धशतकीय पारी, जसप्रीत बुमराह ने झटके तीन विकेट

● मेलबर्न

स्टीव स्मिथ (नाबाद 68), उस्मान ख्वाजा (57), सैम कॉन्स्टास (60) और मार्नस लाबुशेन (72) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को चौथे टेस्ट मैच में पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय छह विकेट पर 311 रन बनाकर मैच पर अपनी पकड़ बना ली है।

इससे पहले यहां ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी उस्मान ख्वाज और सैम कॉन्स्टास की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 89 रनों की साझेदारी की। 20वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने सैम कॉन्स्टास को पगबाधा आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। कॉन्स्टास ने 65 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए पदार्पण टेस्ट में अपना पहला अर्धशतक बनाते हुए (60)रनों की पारी खेली।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आए मार्नसन लाबुशेन ने उस्मान ख्वाज के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिए 65 रनों की साझेदारी हुई। 45वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। उस्मान ख्वाजा ने 121 गेंदों में छह चौके लगाते हुए (57)रन बनाए। चायकाल तक ऑस्ट्रेलिया ने 53 ओवरों में दो विकेट पर 176 रन बना लिए थे। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर ने मार्नसन लाबुशेन को कोहली के हाथों कैच आउट कराकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। लाबुशेन 145 गेंदों में सात चाकों की मदद से (72) रन बनाए। अगले ही ओवर में बुमहराह ने ट्रैविस हेड (00) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद बुमराह ने मार्श (04) को भी अपना शिकार बना लिया। ऑस्ट्रेलिया का छठा विकेट एलेक्स कैरी (31) के रूप में गिरा। उन्हें आकाश दीप ने आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने 86 ओवरों में छह विकेट पर 311 रन बना लिये है और स्टीव स्मिथ (नाबाद 68) और कप्तान पैट कमिंस (08) क्रीज पर मौजूद है। भारत की ओर से बुमराह ने तीन विकेट लिए और सुंदर, जडेजा और आकाश ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी	रन	गेंद	4	6
सैम कॉन्स्टास पगबाधा बो जडेजा	60	65	6	2
ख्वाजा का राहुल बो बुमराह	57	121	6	0
लाबुशेन का कोहली बो सुंदर	72	145	7	0
स्टीव स्मिथ नाबाद	68	111	5	1
ट्रैविस हेड बो बुमराह	00	7	0	0
मिचेल मार्श का पंत बो बुमराह	04	13	1	0
कैरी का पंत बो आकाश दीप	31	41	0	1
पैट कमिंस नाबाद	08	17	1	0
अतिरिक्त : 11 रन				
कुल 86 ओवर में छह विकेट पर 311 रन				
विकेट पतन: 1-89, 2-154, 3-237, 4-240, 5-246, 6-299				

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
जसप्रीत बुमराह	21	7	75	3
मोहम्मद सिराज	15	2	69	0
आकाश दीप	19	5	59	1
रवींद्र जडेजा	14	2	54	1
नीतीश कुमार रेड्डी	5	0	10	0
वॉशिंगटन सुंदर	12	2	37	1

टेस्ट में बुमराह को 4562 गेंद बाद सिक्सर लगा

मेलबर्न मेलबर्न टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया मजबूत स्थिति में पहुंच गया है। स्टंप्स तक टीम ने 6 विकेट पर 311 रन बना लिए हैं। 19 साल के ओपनर सैम ने 60 रन और स्टीव स्मिथ ने 68 रन बनाए।

गुरुवार को रिकॉर्ड लिस्ट में बुमराह और सैम का नाम चर्चा में रहा। बुमराह को टेस्ट में 4562 गेंद बाद सिक्स लगा। सैम ने बुमराह के ओवर में 18 रन मारकर उनके करियर का सबसे महंगा ओवर बनाया। मेलबर्न में बुमराह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय बन गए हैं। सैम डेब्यू में सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर हैं। उन्होंने 52 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। इनसे पहले एडम गिलक्रिस्ट (1999 में पाकिस्तान के खिलाफ 46 गेंदों पर) और एश्टन एगर (2013 में इंग्लैंड के खिलाफ 50 गेंदों) ने टेस्ट डेब्यू में फिफ्टी लगाई थी। सैम ने 13.1 ओवर में अपनी फिफ्टी पूरी की। डेब्यू में सबसे कम ओवर में अर्धशतक के रिकॉर्ड के मामले में उन्होंने भारत के पृथ्वी साव को पीछे छोड़ दिया है। जिन्होंने 2018 में राजकोट में वेस्टइंडीज के खिलाफ 17.4 ओवर में अर्धशतक पूरा किया था। टेस्ट में बुमराह को 3 साल और 4562 गेंद बाद सिक्स लगा। पहले दिन के सातवें ओवर में सैम ने बुमराह को रिवर्स स्कूप पर छक्का लगाया। इससे पहले कैमरून ग्रीन ने 2021 में सिडनी टेस्ट के दौरान बुमराह की गेंद पर छक्का लगाया था। बुमराह को टेस्ट में केवल नौ छक्के लगे हैं, जिनमें से जोस बटलर और सैम ने दो-दो छक्के लगाए हैं। टेस्ट में बुमराह के ओवर में सबसे ज्यादा रन ऑस्ट्रेलिया की पारी के 11वें ओवर में सैम ने 18 रन बटोरे। उन्होंने बुमराह के ओवर में 2 चौका और एक सिक्स लगाया।

चौथे टेस्ट के पहले दिन विराट कोहली और सैम के बीच मैच के दौरान हुई बहस

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच खेले जा रहे चौथे टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को भारत विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण कर रहे सैम कॉन्स्टास के बीच टक्कर के बाद बहस हुई। यहां खेले जा रहे मैच में घटनाक्रम 10वें ओवर के दौरान उस समय हुआ जब कोहली और कॉन्स्टास ओवर की समाप्ति के बाद पिच पर आपस में टकरा गए। इसके तुरंत बाद दोनों खिलाड़ी आपस में बहस करते हुए देखे गये। उस्मान ख्वाजा ने बीच बचाव किया। सत्र में बाद में रिप्ले सामने आने पर यह दिखा कि कॉन्स्टास दूसरे छोर की ओर जा रहे थे लेकिन पिच के बाहर से गेंद को हाथ में टॉस करते हुए आ रहे कोहली कॉन्स्टास से टकरा गए। मैच के बाद कॉन्स्टास ने एक स्थानीय चैनल से कहा कि मैं समझ नहीं पाया। मैं दस्ताने ठीक कर रहा था और तब कंधे टकरा गए। लेकिन यह क्रिकेट में होता रहता है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कॉमेंट्री के दौरान कहा कि जरा देखिए विराट कैसे चल रहे हैं। विराट पिच की दाईं ओर गए और इस टकराव की शुरुआत उन्हीं की ओर से हुई। स्थानीय चैनल से साइमन टॉफेल ने इस घटना को आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत अनुचित बताया।

डेब्यू करने वाले चौथे यंग ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर बने सैम

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया के लिए सैम कोंस्टास सबसे कम उम्र के ओपनर बन गए हैं। उनकी उम्र 19 साल और 85 दिन है। ओवरऑल वह चौथे सबसे युवा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं और टेस्ट में अर्धशतक बनाने वाले दूसरे सबसे युवा हैं। मेलबर्न में भारतीय गेंदबाजों द्वारा सबसे ज्यादा विकेट मेलबर्न में जसप्रीत बुमराह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। इस मैच से पहले बुमराह और पूर्व लेग स्पिनर अनिल कुंबले के 15-15 विकेट थे। गुरुवार के दिन बुमराह ने 3 विकेट लिए। अब मेलबर्न में खेले 3 मैच में बुमराह के 18 विकेट हो गए हैं। बुमराह मेलबर्न में किसी भी एशियाई गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर सकते हैं। इस लिस्ट में पाकिस्तान के सरफराज नवाज पहले स्थान पर हैं, जिनके 4 मैच में 22 विकेट हैं। अगर बुमराह बची हुए दोनों इनिंग में 4 विकेट हासिल कर लेते हैं, तो ये रिकॉर्ड भी उनके नाम हो जाएगा।

सार संक्षेप

डीएसए प्रीमियर लीग में दिल्ली एफसी और तरुण संघा की बड़ी जीत

नई दिल्ली : प्लेयर ऑफ द मैच ओलेन सिंह नींगठोजाम के दो शानदार गोलों की मदद से तरुण संघा ने यूनाइटेड भारत को 4 -1 से हरा कर डीएसए प्रीमियर लीग के दूसरे चरण में बड़ी जीत के साथ शुरुआत की। दिन के दूसरे मैच में जैकब के दो बेहतरीन गोलों से दिल्ली एफसी ने नेशनल यूनाइटेड को 5-0 से परास्त किया। तरुण संघा के लिए नरेश मेटी और रिलेक्स सिंह ने भी एक-एक गोल किए। वहीं यूनाइटेड भारत का गोल जावेद अख्तर ने किया। दिल्ली एफसी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' जैकब ने दो गोल किए। आरिस खान, अबेलसन जाची और थॉन्गखोग मायूम ने एक एक गोल जमाए। विजेता टीम ने 12 मैचों में 25 अंक बना लिए हैं जबकि नेशनल यूनाइटेड 12 अंक जुटा पाई है। तरुण संघा ने दूसरे लेग की शुरुआत जीत के साथ की और 14 अंक बनाए हैं। पराजित यूनाइटेड भारत के मात्र छह अंक हैं और अंक तालिका में सबसे पीछे है।

जयपुर को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे यूपी योद्धाज, हरियाणा से भिड़ेंगे

पुणे : यूपी योद्धाज ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में गुरुवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के एलिमिनेटर-1 मुकाबले में जयपुर पिंक पैंथर्स को 46-18 के अंतर से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पहले सेमीफाइनल में उसका सामना हरियाणा स्टीलर्स से होगा जबकि दो बार के चैंपियन जयपुर को घर वापसी करनी होगी। लगातार 10 मैचों से अजेय यूपी जीत में भवानी राजपूत (12), गगन गौड़ा (5), हितेश (6), महेंद्र (4) और सुमित (5) का योगदान रहा जबकि जयपुर के लिए रेजा मीरबघेरी (5) ही सबसे चमकदार सितारे रहे। यूपी ने रेड में 12 के मुकाबले 18 और डिफेंस में 5 के मुकाबले 18 अंक ले वर्चस्व कायम किया। शानदार रेडिंग कर रहे भवानी और डिफेंस में मुस्तैद आशू, भरत और हितेश के दम पर यूपी योद्धाज ने सात मिनट में ही जयपुर को आलआउट कर 9-3 की लीड ले ली। शुरुआती 10 मिनट में यूपी के डिफेंस ने अर्जुन को नहीं चलने दिया। वह 4.30 मिनट बाहर रहे और तीन में से दो रेड में लपके गए। दूसरी ओर, भवानी ने 6 रेड से पांच अंक उठा लिए। ब्रेक के बाद जयपुर ने रेड खाता खोल स्कोर 5-13 कर दिया। इसी बीच धरनीधरन ने लगातार दूसरा अंक ले लिया लेकिन गगन ने मल्टीप्वाइंटर के साथ फासला बढ़ा दिया। आज अंकुश भी नहीं चल रहे थे।

आईएलटी-20 के तीसरे संस्करण में साउदी को शारजाह वारियर्स की कमान

● शारजाह

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों में से एक टिम साउदी डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के तीसरे संस्करण के लिए शारजाह वारियर्स टीम की कप्तानी करेंगे।

शारजाह वारियर्स का मानना है कि साउदी का अनुभव और खेल का ज्ञान आईएलटी-20 के आगामी सीजन के लिए टीम को मजबूती देगा। आईएलटी-20 तीसरे सत्र की शुरुआत 11 जनवरी को होगी और शारजाह वारियर्स अपना पहला मैच 12 जनवरी को गुजरात जायंट्स के खिलाफ खेलेगा। इस अवसर पर टिम साउदी ने कहा कि शारजाह वारियर्स के पास एक शानदार टीम है, जिसमें कई बेहतरीन बल्लेबाज और योग्य और कुशल गेंदबाज हैं। इतने प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की कप्तानी करना और उनके साथ रहना वाकई रोमांचक होगा। टीम प्रबंधन के साथ मेरी बातचीत भी अब तक काफी सफल रही है और हमें पूरा भरोसा है कि यह सत्र अच्छा रहेगा। मैं टीम में शामिल होने और उसका नेतृत्व करने के लिए वाकई उत्साहित हूं। शारजाह वॉरियर्स के मुख्य कार्यकारी क्षेमल वैनगंकर ने कहा कि हम, कैप्री स्पोर्ट्स में टिम साउदी को शारजाह वॉरियर्स टीम में कप्तान के रूप में शामिल करने पर बहुत उत्साहित हैं। क्रिकेट के खेल के प्रति उनकी कार्य नीति और समर्पण बेमिसाल है और लड़ते रहने की उनकी दृढ़ता, योद्धा भावना के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। साउथी न केवल आईएलटी-20 के आगामी संस्करण के लिए हमारी टीम को मजबूत करते हैं, बल्कि इसमें गहराई और अनुभव भी जोड़ते हैं। हमें विश्वास है कि नेतृत्व की उनकी गतिशील शैली हमारे लिए एक नए युग की शुरुआत करेगी।

सलमान खान विभिन्न माध्यमों से करेंगे खो-खो को प्रमोट

नई दिल्ली बॉलीवुड स्टार और खो-खो विश्वकप के ब्रांड एंबेसडर सलमान खान अगले महीने 13 जनरवरी शुरू होने वाले खो-खो विश्वकप के मैचों के दौरान स्टार स्पोर्ट्स, डिजिटल, सोशल मीडिया के जरिए देश और दुनिया में इस खेल को प्रमोट करेंगे। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया ने राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वकप आयोजन के प्रचार और जागरूकता के लिए अभिनेता सलमान खान को केंद्र में रखते हुए मैगा मल्टीमीडिया अभियान शुरू करेगा। अभिनय के जरिए सलमान खान खो-खो विश्वकप के लाइव मैचों के दौरान स्टार स्पोर्ट्स, डिजिटल, सोशल मीडिया के जरिए विश्व भर में इस खेल के प्रति लोगों को प्रत्साहित करेंगे। इन्दिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में खो-खो विश्वकप के शुभारम्भ के अवसर पर सुपर स्टार सलमान खान भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले पहले मैच को देखेंगे और खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाएंगे। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और विश्वकप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बताया कि सलमान खान की लोकप्रियता से इस खेल को भारत के अलावा दुनियाभर में प्रमोट करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सलमान खान को खो-खो विश्वकप का ब्रांड एंबेसडर बनाने का उद्देश्य अधिकतम युवाओं को खो-खो के प्रति आकर्षित करना है।

केकेएफआई ने टाइगर श्रॉफ को बनाया को-ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) ने खो-खो विश्वकप 2025 के लिए बॉलीवुड सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ को सह-ब्रांड एंबेसडर बनाया है। भारतीय खो-खो महासंघ ने बॉलीवुड के लोकप्रिय अभिनेता टाइगर श्रॉफ को सलमान खान के साथ खो-खो विश्वकप के सह-ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने की घोषणा की। फिटनेस के प्रतीक और युवाओं के प्रेरणास्रोत टाइगर श्रॉफ ने इस आयोजन में अपनी भूमिका को लेकर खुशी जाहिर की और अपने बचपन की खो-खो से जुड़ी यादों का जिक्र करते हुए कहा कि खो-खो सिर्फ एक खेल नहीं, यह हमारी संस्कृति और मिट्टी की पहचान है। यह खेल ताकत, फुर्ती और गति का प्रतीक है, और मैं इसे वैश्विक स्तर पर ले जाने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। उन्होंने खेलों की जीवनशैली में अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक दृढ़ता का भी प्रतीक हैं। खो-खो एक ऐसा खेल है जो फिटनेस, रणनीति और टीम भावना का आदर्श मिश्रण है। मुझे उम्मीद है कि मेरी भागीदारी इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी और लोगों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। यह टूर्नामेंट 13 से 19 जनवरी तक इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा।

पैटरसन के पंजे से दक्षिण अफ्रीका मजबूत

दक्षिण अफ्रीका के बॉश ने झटके चार विकेट, पाकिस्तान को पहली पारी में 211रन पर समेटा

सेंचुरियन

पाकिस्तान को 211 के स्कोर पर समेटने के बाद गुरुवार को पहले टेस्ट मैच में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की लड़खड़ाती पारी को सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम और कप्तान तेम्बा बवूमा का सहारा हैं। दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका ने तीन विकेट पर 82 रन बना लिए है और मारक्रम (नाबाद 47) और बवूमा (चार) क्रीज पर मौजूद है। पाकिस्तान के 211 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने तीसरे ही ओर में टोनी डीजॉर्जी (02) का विकेट गवां दिया। उन्हें खुर्रम शहजाद ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए रायन रिकलटन (08) को भी खुर्रम ने अपना शिकार बना लिया। हालांकि इस दौरान एडम मारक्रम एक छोर थामे लगातार रन बनाते रहे। दक्षिण अफ्रीका का तीसरा विकेट 16वें ओवर में ट्रिस्टन स्टब्स (09) रन के रूप में गिरा। उन्हें मोम्मद अब्बास ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान तेम्बा बवूमा ने रक्षात्मक खेल का मुजाहिरा करते हुए दिन के आखिर तक एडन मारक्रम के साथ खड़े रहे। दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका ने 22 ओवरों में तीन विकेट पर 82 रन बना लिए है और वह अभी भी पाकिस्तान के पहली पारी में बनाए गए स्कोर से 129 रन पीछे है। पाकिस्तान की ओर से खुर्रम शहजाद ने दो विकेट लिए और मोहम्मद अब्बास को एक विकेट मिला। इससे पहले डेन पैटरसन (पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलतअफ्रीका ने पाक को पहली पारी में 211 के स्कोर पर समेटा।

पहले दिन दक्षिण अफ्रीका ने तीन विकेट पर बनाए 82 रन अभी भी 129 रन पीछे

भोजनकाल तक जिम्बाब्वे के दो विकेट पर 92 रन

बुलावायो, वार्ता : बेन करेन (68) रनों की अर्धशतकी पारी के दम पर जिम्बाब्वे ने गुरुवार को पहले टेस्ट मैच के पहले दिन भोजनकाल तक अफगानिस्तान के खिलाफ दो विकेट पर 92 रन बना लिए है। भोजनकाल के समय टी काइटानो (नाबाद 13) और सीन विलियम्स (नाबाद 10) रन बनाकर खेल रहे है।

यहां इससे पहले जिम्बाब्वे ने अफगानिस्तान के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की जॉयलॉर्ड गंबी और बेन करेन की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 43 रन जोड़े। नौवें ओवर में नवीद जदरान ने जॉयलॉर्ड गंबी (नौ) को आउट कर अफगानिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये टी काइटानो ने बेन करेन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में ए एम गजनफर ने अर्धशतक बना चुके बेन करेन को बोल्ड कर जिम्बाब्वे को बड़ा झटका दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)